● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 283, पृष्ठ : 08, सीधी, शनिवार , 30 नवम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कपिल सिब्बल करेंगे अंसारी की जमानत पर बहसह्न 5

कोहली को आस्ट्रेलिया ने दिया फॉर्म में लौटने का मौका 6

यूके, जर्मनी यात्रा हमारे ऊर्जावान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए खोलेगी नए अवसरों के द्वार : डॉ. यादव

विदेशी तकनीक का प्रदेश के संस्थानों में बाजार के अनुसार होगा बेहतर उपयोग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी जर्मनी और यूके यात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश में राज्य के युवाओं के लिए निवेश के नए अवसरों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा यात्रा का उद्देश्य राज्य के युवाओं के रोजगार, औद्योगिकीकरण और मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना था। हमने पूरे समय का सदुपयोग किया। जर्मनी और यूके की यात्रा के बाद, मैं कह सकता हूँ कि यह यात्रा हमारे टेक्नों-फ्रेंड ऊर्जावान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को म्यूनिख में अपने औद्योगिक प्रायोजन संबंधी यात्रा के अंतिम दिन स्थानीय मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में किए गए प्रयासों से उन्हें न केवल सफलता मिली बल्कि समझने और सीखने का भी अवसर मिला। उन्होंने यात्रा के दौरान हर पल और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी टीम के सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम एकजुट होकर अच्छी योजना बनाते हैं, तो परिणाम भी अच्छा होता है और हमें जर्मनी से यही मिल रहा है। जर्मनी और आगे बढ़ रहा है। मैं महसूस करता हूँ कि वहां एक आंतरिक उत्साह है जो उन्हें अपनी चुनौतियों से निपटने में मदद कर रहा है। जर्मनी अपनी तकनीक को अन्य देशों के साथ साझा करने और भविष्य की यात्रा में उसका विश्वास बनाने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी से उन्हें कई ऐसे प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे मध्यप्रदेश को इस विश्वास के साथ आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है कि राज्य अपनी पारंपरिक क्षमताओं के साथ नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़ी बात है कि कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्वास्थ्य, शिक्षा, नई तकनीक और भारी उद्योग क्षेत्रों में जर्मनी से हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी में हो रही तकनीकी प्रगति और उद्योगों में हो रहे नवाचारों को मध्यप्रदेश में लागू करने के लिए राज्य सरकार सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। उन्होंने आशा जताई कि राज्य के लिए यह यात्रा कई नए उद्योगों, तकनीकी सहयोग और रोजगार के अवसरों के द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने सशक्त औद्योगिक ताकत के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिपल-प्रति मिनिट हमारा लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना है। हमारे बौद्धिक संपन्न युवा ही नहीं बल्कि प्रदेश के हर वर्ग के युवा को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

चुनावी हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश : पीएम

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं।

पीएम ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने

मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही है।

उन्होंने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते-आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए। इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करके सत्ता पर कब्जा किया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल दिन-रात भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाते रहते हैं। लेकिन जनता खुद भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मैदान में आती है। चुनाव से कुछ महीने पहले बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। लेकिन जब नतीजे आए तो सभी हैरान रह गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठे हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओडिशा के घर-घर पहुंच चुका था। पीएम ने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, अब महाराष्ट्र। यही बीजेपी की विशेषता है। यह भाजपा कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो मुझे आपकी आंखों नजर आ रहा है।

दिल्ली में गैंगस्टर्स राजः केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था बहुत खराब है। यहां में गैंगस्टर्स का राज है और गृह मंत्री अमित शाह मूकदर्शक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में तीन जगह गोलीबारी की घटनाएं घट चुकी हैं। लॉरेंस बिश्नोई साबरमती जेल से गैंग चला रहा है। उसे बीजेपी का संरक्षण मिला हुआ है। इसलिए अपराधी इतने बेखौफ हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली के लिए हमने अपनी जिम्मेदारी निभाई है, लेकिन केंद्र में बीजेपी सरकार ने दिल्ली के लोगों को सुरक्षा नहीं दी, इसकी

जिम्मेदारी अमित शाह की थी लेकिन उनसे दिल्ली संभल नहीं रही है। दिल्ली की कानून व्यवस्था ख़राब हो गई है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली को शूटआउट कैपिटल बना दिया है। पहले दूर से सुनते थे, शूटआउट एट लोहखंडवाला, अभी तो रोज अपनी दिल्ली में सुनने को मिल रहा है। शूटआउट एट कबीर नगर, शूटआउट एट पश्चिम विहार, शूटआउट एट नारायणा, सोनिया विहार, होटल हर जगह हर गली में गैंगेस्टरों का खुला आतंक है।

बता दें कि इस सरकार के गठन का यह अंतिम विधानसभा सत्र है, क्योंकि फरवरी महीने में विधानसभा चुनाव होना है। इस सत्र में पक्ष और विपक्ष पूरी तरह से एक दूसरे पर हमलावर रहेगी और पूरी तरह से राजनीतिक सत्र देखने को मिल सकता है।

दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार ने बस मार्शलों के मुद्दे पर कहा कि भाजपा इसके लिए जिम्मेदार है।

कई राज्यों में स्वास्थ्यकर्मियों पर हिंसा के खिलाफ हैं कानूनः अनुप्रिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया है कि, कई राज्यों ने स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए पहले ही कानून बना लिए हैं, जबकि गंभीर अपराधों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पर्याप्त रूप से कवर किया गया है, इसलिए स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अलग से केंद्रीय कानून की जरूरत नहीं है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, स्वास्थ्य और कानून और व्यवस्था राज्य के विषय हैं।

ईवीएम पर उठे सवालों को सुको ने किया खारिज

अदालतों में 42 याचिकाएं दायर, सरकार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को लेकर उठ रहे सवालों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट में लगभग 42 याचिकाएं दायर की गई। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में इसकी जानकारी दी। ईवीएम से छेड़छाड़ और हैकिंग को रोकने के लिए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से सवाल किया गया। उन्होंने बताया कि ईवीएम एक स्टैंडअलोन मशीन है। इसमें कोई रेडियो फ्रीक्वेंसी संचार क्षमता नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, चुनाव आयोग के अनुसार, ईवीएम एक

स्टैंडअलोन मशीन है। इसमें कोई रेडियो फ्रीक्वेंसी संचार क्षमता नहीं है। यह वायरलेस, ब्लूटूथ और वाई-फाई के माध्यम से संचार नहीं कर सकती है। लिखित में जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, किसी भी हेरफेर को रोकने के लिए मशीन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संरक्षित किया गया है। इसमें कई तकनीकी सुरक्षा विशेषताएं शामिल हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था। उन्होंने दावा किया था कि ईवीएम की बैटरी में अलग-अलग स्तर की चार्जिंग से अलग-अलग नतीजे मिलते हैं। चुनाव आयोग ने शिकायत खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस केवल संदेह का धुंआ उठा रही है। कांग्रेस कार्य समिति को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ईवीएम ने मतदान प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है। चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए।

कंगना रनौत ने बांग्लादेश की स्थिति पर जताई चिंता

कोलकाता। मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने बांग्लादेश की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बांग्लादेश में साधुओं और संतों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। यह चिंता की बात है कि इन अत्याचारों के खिलाफ भारत में कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। सोशल मीडिया पर भी कोई अभियान नहीं चल रहा है। जब से मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश में सत्ता में आए हैं। तब से देश में पूरी तरह से अशांति है। हम बांग्लादेश में हिंदुओं के समर्थन में खड़े हैं। भगवान उनकी रक्षा करें।

अदाणी मामले पर एमईए ने पहली बार दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। अमेरिकी अभियोजकों की ओर से उद्योगपति गौतम अदाणी पर लगाए गए आरोपों को लेकर विदेश मंत्रालय ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गौतम अदाणी का मामला कानूनी है। इसमें निजी फर्म, व्यक्ति और अमेरिकी न्याय विभाग शामिल हैं। ऐसे मामलों के लिए कुछ तय प्रक्रिया और कानूनी रास्ते हैं। हमें विश्वास है कि इनका पालन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के बारे में भारत सरकार को पहले से सूचित नहीं किया गया था। हमने इस मामले पर अमेरिकी सरकार से कोई बातचीत भी नहीं की है। किसी विदेशी सरकार द्वारा समन/गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए किया गया कोई भी अनुरोध आपसी कानूनी सहायता का हिस्सा है। ऐसे अनुरोधों की योग्यता के आधार पर जांच की जाती है। हमें इस मामले में अमेरिकी पक्ष से कोई अनुरोध नहीं मिला है। यह एक ऐसा मामला है जो निजी संस्थाओं से संबंधित है और भारत सरकार इस समय कानूनी रूप से किसी भी तरह से इसका हिस्सा नहीं है।

भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी अब पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। विदेश मंत्रालय ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने पर बीसीसीआई के रुख को दोहराया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, %बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि वहां

सुरक्षा चिंताएं हैं और इसलिए ऐसी संभावना नहीं है कि टीम वहां जाएगी। पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली बहुप्रतीक्षित चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं। आईसीसी ने सदस्य देशों की 29 नवंबर को बैठक बुलाई है। इसी दिन टूर्नामेंट के भविष्य पर फैसला होगा। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। पिछली बार भारत ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों ने पिछली द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में खेली थी जिसमें सीमित ओवरों के मैच खेले गए थे। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान मुख्य रूप से सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या फिर एशिया कप में एक-दूसरे का सामना करते हैं। शुक्रवार को आईसीसी की बैठक भी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 12 पूर्ण सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, एसोसिएट देशों के तीन, एक स्वतंत्र निदेशक के अलावा आईसीसी चेयरमैन और सीईओ ने हिस्सा लिया। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला का भी बयान आया है। उन्होंने कहा, %हमारी चर्चा जारी है। स्थिति को देखने के बाद फैसला लिया जाएगा। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों की सुरक्षा है। हाइब्रिड मोड भी एक विकल्प है। हालांकि, पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट कराने को तैयार नहीं है।

चीन में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। मध्य चीन में संभावित रूप से दुनिया का सबसे बड़ा सोने का नया भंडार मिला है। अनुमान है कि वहां लगभग 1,000 मीट्रिक टन उच्च गुणवत्ता वाले स्वर्ण अयस्क मौजूद है। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार नए स्वर्ण भंडार मूल्य लगभग 83 अरब डॉलर है, जो सम्भवत: अब तक का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है। रिपोर्ट के अनुसार चीन में पाया गया स्वर्ण भंडार यह दक्षिण अफ्रीका के साउथ डीप खदान से भी बड़ा है, जो लगभग 900 मीट्रिक टन सोने का भंडार है। चीन के हुनान प्रांत के भूवैज्ञानिक ब्यूरो ने घोषणा की कि यह भंडार पिंगजियांग काउंटी में स्थित है, जहां भूवैज्ञानिकों ने 2 किलोमीटर की गहराई पर 40 सोने की शिराओं की पहचान की है। सोने के भंडार विभिन्न भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से बनते हैं, जिसमें अक्सर लाखों वर्षों का समय लगता हैद्ध गर्म, खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की पपड़ी में दरारों और दरारों के माध्यम से घूमते हैं।

वृद्धि दर दूसरी तिमाही में दो साल के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर फिसली

नई दिल्ली। भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर लगभग दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 8.1 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से शुक्रवार को इसके आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। हालांकि, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। इस वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि 4.6 प्रतिशत रही। जीडीपी वृद्धि का पिछला निम्न स्तर 4.3 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2022) में दर्ज किया गया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर सरकार गंभीर : जयशंकर

संसद में विदेश मंत्री जयशंकर ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, क्योंकि उसने पड़ोसी देश में चरमपंथी बयानबाजी और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं के साथ-साथ मंदिरों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद को बताया कि भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को गंभीरता से लिया है और अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना ढाका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विदेश मंत्री ने लोकसभा को बताया कि- भारत सरकार ने अगस्त 2024 के महीने में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों, उनके घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं और मंदिरों/धार्मिक स्थलों पर हमलों की कई रिपोर्ट देखी हैं। सरकार ने इन घटनाओं पर गंभीरता से ध्यान दिया है और बांग्लादेश सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया है।

राज्य के चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन हमारे लिए एक चुनौती है : खरगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में हुए चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर विचार-विमर्श करने और आगामी दिल्ली चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई। यह बैठक मौजूदा संसद सत्र के दौरान हो रही है। इस बैठक में अदाणी मुद्दे पर सरकार को घेरने के तरीकों पर भी चर्चा होने की संभावना है। अदाणी मुद्दे और संभल में हिंसा पर विपक्ष के अवरोधों के कारण शीतकालीन सत्र की शुरुआत के बाद चौथे दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बैठक की अध्यक्षता की। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश जैसे शीर्ष नेता इस बैठक में शामिल हुए।

कांग्रेस कार्य समिति दिल्ली में चुनावों के साथ-साथ अगले साल बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों और गठबंधन पर विचार-विमर्श करने के लिए भी तैयार है। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में कांग्रेस की हार पर मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया दी। कार्य समिति की बैठक में उन्होंने कहा, एकता की कमी, चुनावों में एक-दूसरे के खिलाफ बयान हमें नुकसान पहुंचा रहे हैं, इस पर सख्त अनुशासन की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, राज्य के चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन हमारे लिए एक चुनौती है। विधानसभा चुनावों के लिए एक साल पहले से तैयारी की आवश्यकता है। मतदाता सूची की जांच करनी होगी। खरगे ने कहा, ईवीएम ने मतदान प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है। चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए। हमारे पक्ष में चुनावी माहौल जीत की गारंटी नहीं देता। हमें माहौल को नतीजों में बदलना सीखना होगा। जीत की रणनीति बनाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। खरगे ने कहा, सभी को यह सोचना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की जीत में ही हम सबकी जीत है और हार में हम सबकी हार है। पार्टी की ताकत से ही हमारी ताकत है। उन्होंने कहा, कई बार हम खुद अपने सबसे बड़े शत्रु बन जाते हैं। हम खुद अपने बारे में नकारात्मक बातें करेंगे और ये कहेंगे कि हमारा कोई विमर्श नहीं है तो मैं पूछता हूं कि विमर्श बनाना और उसको जनता तक पहुंचाना किसकी जिम्मेदारी है? यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। जो विमर्श हमने राष्ट्रीय स्तर पर तय किया था, वो अभी भी लागू है। हमें हर हालत में चुनाव लड़ने के तरीकों को बेहतर बनाना होगा, क्योंकि समय बदल गया है। चुनाव लड़ने के तरीके बदल गए हैं। बता दें कि महाविकास अघाड़ी (जिसमें कांग्रेस भी शामिल है) को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले पार्टी गठबंधन ने झारखंड में जीत हासिल की।

गोदवाली रेलवे साइट पर मिले डेढ़ करोड़ के कोयले का मालिक कौन

महाकाल ने कहा नहीं हैं मेरा कोयला, चार हजार टन कोयले को रेलवे विजिलेंस ने आरपीएफ को सौंपा

सिंगरौली। पश्चिम मध्य रेल जबलपुर मंडल के बरगवाँ स्टेशन के समीप गोंदवाली साइडिंग से बिना अनुमति रखा करीब 4 हजार टन कोयले को रेलवे विजिलेंस ने सीज किया हैं। वहीं भारी मात्रा में मिले कोयले का अभी कोई मालिक नहीं मिला है। जबकि रेलवे के साइडिंग पर ये कोयला मिला है। अब यह कोयला आरपीएफ के कंट्रोल में सुपुर्द किया गया है। इस मामले में रेलवे ने तीन अधिकारियों को पहले ही निलंबित कर चुके हैं।

दरअसल चर्चा है कि लंबे समय से गोदवाली साइडिंग में महाकाल ट्रांसपोर्ट का लोडिंग का काम हो रहा था। यहां किसी दूसरी कंपनी का काम ही नहीं था। ऐसे में एक रैक कोयला पकड़े जाने के बाद यह माना जा रहा था कि यह कोयला महाकाल फर्म को होगा। लेकिन कंपनी ने यह कहकर रेलवे कर्मचारियों को कटघरे में खड़ा कर दिया कि यह कोयल मेरा नहीं है। इसके बाद से अब रेलवे अधिकारी कटघर्रे में आ गए हैं। अब विजिलेंस टीम बरगवां रेलवे रेलवे सुपरीटेंडेंट पर आरोप लगने लगे हैं। सूत्रों की माने तो रेलवे विजिलेंस टीम ने गोदवाली साइडिंग में डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा का कोयला पकड़े जाने के बाद डेविड नोट बरगवां स्टेशन सुपरिटेंडेंट को थमाया तो उन्होंने लेने से इनकार कर दिया। सूत्रों का दावा है कि कोयले के इस खेल में लोडिंग कंपनियों के साथ रेलवे अधिकारियों की साथ गांठ रहती है। यही वजह है कि रेलवे साइडिंग में बिना अनुमति के या फिर अनुमति से ज्यादा भी कोयल का भंडार होता है।

एक करोड़ से ज्यादा की लगी पेनाल्टी

बताया जा रहा है कि पकड़े गए इस कोयले की पेनल्टी एक करोड़ 40 लाख के करीब है। रेलवे विजिलेंस टीम ने गोदवाली साइडिंग का कोयला आरपीएफ को सुपुर्द किया है। वहीं रेल प्रशासन का कहना है कि अभी जाँच जारी है। जाँच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। इस कार्रवाई के बाद गोंदवाली के साथ ही अन्य साइडिंगों में भी हड़कंप की स्थिति है।

बालाजी के खिलाफ हो सकती है जांच

सूत्रों की मानें तो गोंदवाली साइडिंग से जप्त किया गया । कोयला जनवरी- फरवरी महीने का है। वहीं कोयला के हेर-फेर मामले में बालाजी ट्रांसपोर्ट के खिलाफ भी जाँच हो सकती है। चर्चा है कि उस समय के तात्कालिक कर्ताधर्ता गर्व त्रिपाठी नामक सख्स झाबुआ पावर प्लांट का काम करते थे। यह कोयला उनका हो सकता है या फिर बालाजी फर्म का। लेकिन जब तक जांच में हकीकत सामने नहीं आ जाती तब विजिलेंस टीम के निशाने पर महाकाल और बालाजी शक के दायरे में रहेंगे।

स्वावलंबी बन कर ही मनुष्य समाज एवं राष्ट्र का कल्याण कर सकता हैं: निखिल

अनपरा। हिण्डालको रेनुसागर ग्रामीण विकाश विभाग द्वारा 28 नवम्बर को स्थानीय प्रेक्षागृह में आयोजित स्वायलम्बन कार्यक्रम के तहत संसाधन विहीन 80 ग्रामीणों को उपकरण वितरण कर जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभावित किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त 20 महिलाओ को सिलाई मशीन, 15 मेधावी छात्रों सोलर लैम्प, कृषि कार्य के लिए 10 समूह को स्प्रे मसीन, 15 छात्रों को पठन-पाठन सामाग्री एवं म्यूजिकल इस्टूमेंट वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एसडीएम दुद्धी निखिल कुमार यादव, सीओ पिपरी अमित कुमार एवं हिण्डालको रेनुसागर के यूनिट हेड आरपी सिंह एवं एचआर हेड शैलेश विक्रम सिंह द्वारा संयुक्त रूप दीप प्रज्वलन कर किया। इसी क्रम में एसडीएम दुद्धी निखिल कुमार यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वावलंम्बी बन कर ही मनुष्य समाज एवं राष्ट्र का कल्याण कर सकता हैं। साथ ही सीओ पिपरी अमित कुमार एवं यूनिट हेड आरपी सिंह ने भी संबोधित किया।

स्वस्थ लोगों को साल में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए: एसडी

शासकीय अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैढ़न में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

सिंगरौली। शासकीय राजनारयण स्मृति महाविद्यालय बैढ़न में आज दिन शुक्रवार 29 नवम्बर को रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 43 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। जिसमें से 16 छात्राओं ने रक्तदान किया यह रक्तदान शिविर स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग एवं महाविद्यालय के सहयोग से कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना है । इस रक्तदान शिविर में महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण है और युवाओं को इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए । रेडक्रॉस चेयरमैन एसडी सिंह ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान शरीर शोधन की प्रक्रिया है। इससे नया रक्त बनता है और शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं कम होती हैं। रक्तदान महादान है। स्वस्थ लोगों को साल में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए। जिससे बेहतर स्वास्थ्य बना रहता है। उक्त कार्यक्रम में रेडक्रॉस सचिव डॉ. डीके मिश्रा, रेडक्रॉस ब्लड सेंटर उपसंचालक मेडिकल डॉ. संदीप कुमार सिंह, विवेक कुमार त्रिपाठी एवं मिथिलेश मिश्रा अन्य लोग ब्लड डोनर्स को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका हौसला अफजाई किया गया ।

एसपी ने तीरंदाजी के खिलाड़ियों को दिया खेल सामग्री

सिंगरौली। एसपी मनीष खत्री ने एनटीपीसी के सहयोग से राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय खिलाड़ियों को धनुष एवं खेल सामग्री वितरित करते हुये शुभकानाएं दी। राष्ट्रीय खिलाड़ी भाव्या जायसवाल एवं अन्य राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को धनुष एवं खेल से संबंधित अन्य उपकरण वितरित किये। बच्चों को नियमित अभ्यास करने एवं सिंगरौली में तीरंदाजी खेल को बढ़ावा देने के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान सीएसपी पीएस परस्ते सहित अन्य मौजूद रहें।

बरगवां के तेलदह में सड़क हादसे में व्यक्ति की गई जान

सिंगरौली। जिले में सड़क हादसों में लोगों के मरने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह भी जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के तेलदह में एक सड़क दुर्घटना पेश आई। जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं गुरुवार देर शाम मोरवा थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। इस घटना के बाद भी कई घंटे तक जाम की स्थिति निर्मित रही और भारी मात्रा में पुलिस बल के साथ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को संभाला। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह बरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम तेलदह में बाइक सवार अंजनी साहू पिता बाबूलाल साहू उम्र 32 वर्ष ग्राम धौड़र सड़क किनारे खड़े कोल वाहन से जा टकराया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद करीब 1 घंटे तक वहां जाम की स्थिति रही। बरगवां निरीक्षक शिव पूजन मिश्रा ने घटना स्थल पहुंचकर परिजनों भड़ास पढ़ते हुए शासन द्वारा उचित मदद का भरोसा दिलाकर स्थिति को संभालते हुए शव को पीएम के लिए भिजवाया जिसके बाद जाम खुला। वहीं गुरुवार देर शाम मोरवा थाना क्षेत्र के शुक्ला मोड़ समीप 19 वर्षीय संजय गुप्ता पिता जवाहर गुप्ता सड़क पार करते हुए अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस बात से गुस्साए परिजन समेत स्थानीय लोगों ने मार्ग पर जाम लगा दिया। इससे मोरवा-जयंत एवं मोरवा-बरगवां का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। घटना के बाद पार्षद शेखर सिंह, आशीष गुप्ता समेत विनोद कुर्वंशी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए। जिससे प्रदर्शनकारियों की भीड़ और बढ़ती चली गई। इसके बाद तहसीलदार अभिषेक यादव, मोरवा निरीक्षक कपूर त्रिपाठी, बरगवां निरीक्षक शिव पूजन मिश्रा, जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर परिहार, गोरबी चौकी प्रभारी भिपेंद्र पाठक सदलबल घटना स्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाते हुए उचित मुआवजे के साथ न्याय दिलाने का भरोसा दिलाते हुए उन्हें शांत कराया।

सिंगरौली को एनसीएल ने बनाया ऊर्जाधानी: साईराम

सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी एनसीएल के 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर एनसीएल मुख्यालय स्थित सिंगरौली स्टेडियम में केंद्रीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एनसीएल सीएमडी बी साईराम, एनसीएल के पूर्व सीएमडीगण क्रमश: एके दास, एसवी चाओजी, टीके नाग, बी आर रेड्डी, पीके सिन्हा, एनसीएल के निदेशक कार्मिक मनीष कुमार, निदेशक वित्त रजनीश नारायण सहित अन्य मौजूद रहे। केंद्रीय कार्यक्रम के दौरान सीएमडी एनसीएल बी साईराम ने अपने उद्बोधन में उत्पादन, उत्पादकता, पूँजीगत निवेश अन्य से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने भविष्य की चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए व मशीन लर्निंग जैसे नव-तकनीकी को अपनाने पर बल दिया।

महज औपचारिकता तक सीमित रह गई सरई का अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

सिंगरौली

जिला मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दूर तहसील मुख्यालय सरई में मुख्य बाजार के अतिक्रमण कारियों के ठिकाने पर बुलडोजर चला है। आज दिन शुक्रवार को नगर परिषद अमला, राजस्व अमला व पुलिस प्रशासन की सयुक्त टीम ने सरई मुख्य बाजार का अतिक्रमण हटवाने की प्रयास किया है। जिसमें सरई तहसीलदार चंद्रशेखर मिश्रा, नगर परिषद सरई सीएमओ सुरेंद्र सिंह, थाना प्रभारी सरई शेषमणि पटेल, राजस्व निरीक्षक रामनरेश सोनी व पटवारी विनोद शाह, संजय साकेत, विनय साकेत, दिनेश के साथ-साथ सरई थाना के पुलिस बल, ग्रामीण व सैकड़ों की संख्या में व्यापारी वर्ग मौजूद रहे हैं।

सरई मुख्य बाजार के अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कल दिन भर चलता रहा है। जहां कई लोगों के बैनर-पोस्टर लोहे के सामग्री, भवन निर्माण सामग्री अन्य हटाए गए हैं। कई लोगों के चबूतरे की सीढ़ी तोड़ गए हैं। वही गरीब वर्ग के व्यापारियों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने में मुंह देखी कार्यवाही की गई है। बड़े घनना सेठो का कोई तोड़-फोड़ नहीं किया गया है। सरई में कल जो अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही चली है। उसमें कई व्यवसायियों व प्रशासन के बीच नोंक-झोंक भी हुई। कई लोगों ने अपना सामान अति क्रमण क्षेत्र से अंदर करने की लिखित अल्टीमेटम दिया है। नगर परिषद मुख्यालय सरई में कल दिन भर चले अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर कई लोगों ने तहसीलदार सीएमओ से अपना पाइप बल्ली टिनशेड हटाने के लिए समय मांगा है। जिस पर प्रशासन द्वारा नरमी बरतते हुए उन्हें दो दिन का मोहलत दिया गया है।

3 दिन बाद फिर से चलेगा बुलडोजर

सरई की अतिक्रमणकारियों पर हो रही कार्यवाही कल दिन भर चली है और 3 दिन बाद फिर से बुलडोजर चलेगा। यह बात नगर परिषद सीएमओ का कथन है। जिस जगह पर ज्यादा नुकसान लोगों के घर वगैरह फंस रहे हैं। उन्हें नगर परिषद द्वारा तीन दिन समय हटाने के लिए दिया गया है। वहीं यदि दिए हुए समय पर जिनके द्वारा अपना सामान नहीं हटाया जाता है तो उन पर तोड़-फोड़ की पूर्ण कार्यवाही की जाएगी। नगर परिषद सीएमओ सुरेंद्र सिंह उइके ने सब्जी विक्रेताओं व ऑटो चालकों को नगर परिषद द्वारा निर्धारित स्थानों पर सब्जी लगाने व ऑटो-रिक्शा खड़ी करने की सख्त निर्देश दिया है।

एनटीपीसी सिंगरौली ने वेंडर डेवलपमेंट मीट का किया आयोजन

शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना ने 29 नवम्बर को अपने वेंडर समुदाय के साथ सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से वेंडर डेवलपमेंट मीट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय एमएसएमई वेंडर्स के लिए विशेष वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम था। इस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय प्रशासनिक भवन ऑडिटोरियम में हुआ। जिसमें विभिन्न सरकारी संगठनों और मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह मीट एनटीपीसी सिंगरौली की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है कि वह अपने वेंडर्स के साथ मजबूत, समावेशी और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और एनटीपीसी गीत से हुआ। इसके बाद विनायक कुमार बंसोड, विभागाध्यक्ष सी एंड एम ने मौजूद सभी जनों को कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया।

गांजे की खेप बेचने निकला था तस्कर, बरगवां पुलिस ने धर दबोचा

सिंगरौली। बरगवां पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ तस्कर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। जहां बरगवां निरीक्षक को इस शातिर गांजा तस्कर की लंबे समय से तलाश थी। जिसे पकड़ने के लिए पुलिस की टीम विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर रही थी। अंतत: गुरुवार शाम मुखबिर की सूचना पर गांजे की खेप लेकर बेचने जा रहे तस्कर को बरगवां पुलिस ने रास्ते से ही धर दबोचा। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशनें बरगवां निरीक्षक शिवपूजन मिश्रा द्वारा गठित टीम ने सूचना के आधार पर ग्राम कनई तिराहा टीबीसीएल कैम्प के पीछे मुख्यमार्ग से आरोपी रामप्रीत कुशवाहा पिता भोलेनाथ कुशवाहा उम्र 45 वर्ष साकिन चिंगीटोला को 5 किलो 950 ग्राम गांजे के साथ उस समय गिरफ्तार किया। जब वह उसे बेचने की फिराक में था। पकड़ी गई गाँजे की खेप की कीमत 60000 रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने उक्त आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस की धारा 8/20 बी के तहत कार्यवाही करते हुए उसे पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय में प्रस्तुत किया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक शिव पूजन मिश्रा के साथ उनि आराधना तिवारी, सउनि पंकज सिंह, प्रआर आलोक चतुर्वेदी, सचिन, नंदकिशोर बागरी, अनूप मिश्रा, आर कौशलेंद्र की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय नगर परिषद चाकघाट जिला रीवा (म.प्र.)

No./ 1169 / नप/ईनिविदा सूचना/2024/ Date – 27.11.024

द्वितीय निविदा

सेक्सन–1

ई निविदा आमंत्रण सूचना

नगर परिषद चाकघाट द्वारा गारवेज टिपर वाहन क्रय हेतु ऑनलाईन निविदा ई–टेण्डरिंग के माध्यम से इच्छुक निविदाकारों/फर्म से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर Urban Administration Development Department से एवं कार्यालय नगर परिषद चाकघाट से प्राप्त की जा सकती है। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा। विवरण निम्नानुसार है।

Tender id	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (रु. में)	धरोहर राशि (रु.में)	निविदा फार्म का शुल्क	रिमार्क
2024_UAD_384154_1	गारवेज टिपर वाहन 02 नग	13.00 LACK	9750.00	2000.00	

उक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र दिनाँक 25.11.2024 समय 0530 से दिनाँक 25.12.2024 समय 0530 तक वेबसाईट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑन लाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकेंगें।

(विमल कुमार जायसवाल)
अध्यक्ष
नगर परिषद चाकघाट
जिला रीवा (म.प्र.)

(संजय कुमार सिंह)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चाकघाट
जिला रीवा (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद त्योंथर, जिला–रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 1309/भंडार/निविदा आमंत्रण/2024 त्योंथर, दिनांक 27.11.2024

ई–निविदा आमंत्रण

समस्त पंजीकृत फर्म/अधिकृत विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2022–23 हेतु नीचे कॉलम मे वर्णित सामग्रियों की दरों की आवश्यकता ई–टेण्डरिंग के माध्यम से है, इच्छुक सप्लायर वेबसाइट पर ऑनलाईन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (पृथक–पृथक) **दिनांक 27.11.2024 को साय 05.30 बजे से दिनांक 12.12.2024 को सायं 5.30 बजे तक** प्राप्त कर सकेंगे। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	एनआईटी क्र. एवं दिनांक	टेंडर क्र.	नाम सामग्री विवरण	अनुमानित लागत (₹ लाख में)	अमानत राशि (₹ में)	कोरे निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में)
1	1309 / 27.11.2024	2024_UAD_384643	अलाव व्यवस्था हेतु जलाउ लकडी कय ।	90000.00	1800/-	1000/-

शर्तें :–

1. निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकारों को डिजिटल सिग्नेचर बनवाना होगा तथा निविदा पोर्टल https://mptenders.gov.in में पंजीयन कराना आवश्यक होगा। डिजिटल सिग्नेचर एवं पोर्टल पंजीयन के बिना निविदा में भाग नही लिया जा सकता।
2. सप्लायरों को निविदा में भाग लेने के लिए अमानत राशि तथा निविदा प्रपत्र हेतु ऑन लाइन भुगतान रसीद की कॉपी, ऑर्गनाइजेशन डिटेल (Annexure-C), आधार कार्ड, पैन–कार्ड, GST पंजीयन, दुकान स्थापना प्रमाण–पत्र, सप्लायर प्रमाण पत्र की सत्यापित स्कैन कॉपी ऑनलाइन पोर्टल में अपलोड करना होगा। साथ ही Annexure-B के अनुसार ₹ 100/- के नॉन ज्यूडीसियल स्टाम्प पर शपथ पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत करना होगा। दस्तावेजों के अभाव में निविदा अमान्य कर दी जावेगी।
3. जिन सप्लायरों ने पूर्व में दरें प्रस्तुत कर अनुबंध नहीं किया है, या कि सामग्री नहीं दिया है या कि प्रदाय सामग्री गारंटी में नहीं बदला है, उन्हे निविदा में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा। अगर ऐसे निविदाकारों द्वारा निविदा में भाग लिया जाता है, तो उनकी निविदा अमान्य कर दी जावेगी।
4. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत का अधिकार परिषद/मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सुरक्षित होगा, जिसका कारण बताना अनिवार्य नहीं होगा।
5. निविदाकार द्वारा दी गई दरों में GST को छोडकर अन्य सभी कर समाहित होंगे। GST के अतिरिक्त अन्य किसी भी तरह का कर देय नहीं होगा। नगर परिषद GST के अतिरिक्त अन्य किसी भी कर के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। अगर किसी भी तरह का कोई कर लगता है तो उसकी सम्पूर्ण जबावदारी निविदाकार की होगी। GST का भुगतान शासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत किया जावेगा।
6. देयकों में नियमानुसार कटौती की जावेगी।
7. न्यूनतम दर स्वीकृत उपरांत सूचना प्राप्ति के पश्चात निर्धारित ई–स्टाम्प पेपर में तीन दिवस के अंदर सप्लायर को अनुबंध करना होगा एवं प्रदाय आदेश जारी होने के सात दिवस के अंदर उत्तम गुणवत्ता युक्त सामग्री प्रदाय करना होगा। अन्यथा की स्थिति में ठेका निरस्त कर अमानत राशि राजसात कर ली जावेगी, एवं सप्लायर को कालातीत (Blacklisted) किया जावेगा।
8. विद्युत सप्लायर को डीलर सर्टिफिकेट संलग्न करना होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद त्योंथर
जिला–रीवा (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद त्योंथर, जिला–रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 1307/भंडार/निविदा आमंत्रण/2024 त्योंथर, दिनांक 27.11.2024

ई–निविदा आमंत्रण द्वितीय निविदा

समस्त पंजीकृत फर्म/अधिकृत विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2022–23 हेतु नीचे कॉलम मे वर्णित सामग्रियों की दरों की आवश्यकता ई–टेण्डरिंग के माध्यम से है, इच्छुक सप्लायर वेबसाइट पर ऑनलाईन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (पृथक–पृथक) **दिनांक 27.11.2024 को साय 05.30 बजे से दिनांक 04.12.2024 को सायं 5.30 बजे तक** प्राप्त कर सकेंगे। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	एनआईटी क्र. एवं दिनांक	टेंडर क्र.	नाम सामग्री विवरण	अनुमानित लागत (₹ लाख में)	अमानत राशि (₹ में)	कोरे निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में)
1	1307 / 27.11.2024	2024_UAD_384641	जलप्रदाय सामग्री क्रय हेतु वार्षिक दर निविदा आमंत्रण।	08.00	8000/-	2000/-

शर्तें :–

1. निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकारों को डिजिटल सिग्नेचर बनवाना होगा तथा निविदा पोर्टल https://mptenders.gov.in में पंजीयन कराना आवश्यक होगा। डिजिटल सिग्नेचर एवं पोर्टल पंजीयन के बिना निविदा में भाग नहीं लिया जा सकता।
2. सप्लायरों को निविदा में भाग लेने के लिए अमानत राशि तथा निविदा प्रपत्र हेतु ऑन लाइन भुगतान रसीद की कॉपी, ऑर्गनाइजेशन डिटेल (Annexure-C), आधार कार्ड, पैन–कार्ड, GST पंजीयन, दुकान स्थापना प्रमाण–पत्र, सप्लायर प्रमाण पत्र की सत्यापति स्कैन कॉपी ऑनलाइन पोर्टल में अपलोड करना होगा। साथ ही Annexure-B के अनुसार ₹ 100/- के नॉन ज्यूडीसियल स्टाम्प पर शपथ पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत करना होगा। दस्तावेजों के अभाव में निविदा अमान्य कर दी जावेगी।
3. जिन सप्लायरों ने पूर्व में दरें प्रस्तुत कर अनुबंध नहीं किया है, या कि सामग्री नहीं दिया है या कि प्रदाय सामग्री गारंटी में नहीं बदला है, उन्हे निविदा में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा। अगर ऐसे निविदाकारों द्वारा निविदा में भाग लिया जाता है, तो उनकी निविदा अमान्य कर दी जावेगी।
4. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत का अधिकार परिषद/मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सुरक्षित होगा, जिसका कारण बताना अनिवार्य नहीं होगा।
5. निविदाकार द्वारा दी गई दरों में GST को छोडकर अन्य सभी कर समाहित होंगे। GST के अतिरिक्त अन्य किसी भी तरह का कर देय नहीं होगा। नगर परिषद GST के अतिरिक्त अन्य किसी भी कर के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। अगर किसी भी तरह का कोई कर लगता है तो उसकी सम्पूर्ण जबावदारी निविदाकार की होगी। GST का भुगतान शासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत किया जावेगा।
6. देयकों में नियमानुसार कटौती की जावेगी।
7. न्यूनतम दर स्वीकृत उपरांत सूचना प्राप्ति के पश्चात निर्धारित ई–स्टाम्प पेपर में तीन दिवस के अंदर सप्लायर को अनुबंध करना होगा एवं प्रदाय आदेश जारी होने के सात दिवस के अंदर उत्तम गुणवत्ता युक्त सामग्री प्रदाय करना होगा। अन्यथा की स्थिति में ठेका निरस्त कर अमानत राशि राजसात कर ली जावेगी, एवं सप्लायर को कालातीत (Blacklisted) किया जावेगा।
8. विद्युत सप्लायर को डीलर सर्टिफिकेट संलग्न करना होगा।

मुख्य/नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद त्योंथर
जिला–रीवा (म.प्र.)

संगठन चुनाव में गुणात्मक, परिणाम मूलक एवं हाईटेक कार्यकर्ताओं की फौज खड़ी करें : पाराशर

संगठन चुनाव की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

सीधी

भारतीय जनता पार्टी सच्चे अर्थों में लोकतंत्र में निहित पार्टी है। हम संगठन चुनाव के माध्यम से संगठन को सर्व स्पर्शी, सर्वव्यापी एवं सर्व समावेशी बनाने का कार्य करते हैं। संगठन चुनाव में आधुनिक तकनीक से लैस, गुणात्मक एवं परिणाम मूलक कार्यकर्ताओं की फौज खड़ी करते हैं। भारतीय जनता पार्टी केवल चुनाव के लिए राजनीति नहीं करती बल्कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए अनेक प्रकल्पों पर कार्य करती है।

उक्त आशय के विचार संगठन पर्व के दौरान आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश मंत्री एवं जिले के चुनाव प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। चुनाव अधिकारी श्री पाराशर ने कहा कि हम संगठन चुनाव के माध्यम से नई ऊर्जा से युक्त राष्ट्रभक्ति के उल्लास में डूबी हुई कार्यकर्ताओं की टोली खड़ी करते हैं। यह टोली जहां एक और भारत माता को विश्व गुरु बनाने के लिए

राजनीतिक क्षितिज पर कार्य करती है वहीं दूसरी ओर समाज को सुसंगठित और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत करने के लिए आगामी महीने में विभिन्न महापुरुषों की जयंती जैसे भारत रत्न अटल जी की शताब्दी वर्ष, 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस, सरदार पटेल की 150 वीं जयंती, भगवान बिरसा मुंडा के 150 वर्ष, देवी अहिल्याबाई के तीसरी शताब्दी वर्ष एवं रानी दुर्गावती के पांचवी शताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने वाली है।

चुनाव अधिकारी श्री पाराशर ने कहा कि सर्वगुण संपन्न और लोक संग्रही कार्यकर्ता आने वाले संगठन चुनाव में चयनित होकर आए, यह हम सभी का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। जिससे भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से हम भारत को दुनिया की महाशक्ति बना सके ।

बूथ अध्यक्षों को मिला पार्टी का सवैधानिक दर्जा

चुनाव अधिकारी और मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री पाराशर ने कहा कि बूथ अध्यक्षों को भारतीय जनता पार्टी ने संवैधानिक दर्जा प्रदान किया है। जैसे अन्य अध्यक्षों के कर्तव्य और अधिकार होते हैं वैसे ही अब बूथ अध्यक्षों को भी अपने-अपने मतदान केंद्र का समग्र अधिकार प्राप्त होंगे और पार्टी और सशक्त और समृद्धशाली बनेगी।

35 से 45 वर्ष की बीच आयु के होंगे मंडल अध्यक्ष

चुनाव अधिकारी एवं प्रदेश मंत्री श्री पाराशर ने कहा कि मंडल चुनाव के लिए सक्रिय सदस्यता के साथ-साथ 35 से 45 वर्ष की आयु होनी चाहिए। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए 45 से 60 वर्ष की आयु रहेगी । चुनाव अधिकारी श्री पाराशर ने कहा कि हमें एक मत से चुनावी प्रक्रिया को पार्टी और देश के हितों को ध्यान में रखते हुए संपन्न करनी है। जिसका उपस्थित जन समुदाय ने जोरदार तालिया की गाड़ाहट के साथ, भारत माता जिंदाबाद के उद्घोष के साथ अभिनंदन किया।

तेजस्वी कार्यकर्ताओं की खड़ी करें टोली: देव कुमार

भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 तक देश को महाशक्ति बनने के लिए संगठन चुनाव के दौरान शानदार और तेजस्वी कार्यकर्ताओं की टोली संगठन चुनाव में खड़ी करें। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने कहा कि हमने सक्रिय सदस्यता रिकॉर्ड स्तर पर की है, जिसकी प्रदेश नेतृत्व ने तारीफ की है। इसके लिए जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता बधाई का पात्र है।

भाजपा रीति नीति और सिद्धांतों की पार्टी: रीती

सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी रीति नीति और सिद्धांतों की पार्टी है। यहां का कार्यकर्ता अपने आप में अद्वितीय होता है। संगठन चुनाव शानदार और एक मत से हो यही शुभकामनाएं हैं। स्वागत भाषण विषय की प्रस्तावना भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं सह निर्वाचन अधिकारी बृज बिहारी लाल शर्मा ने रखी और कार्यक्रम का संचालन सह जिला निर्वाचन अधिकारी मोतीलाल पटेल ने किया। आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विनोद साकेत ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू राम जी सिंह एवं जिला पदाधिकारी, मोर्चा और मंडल के अध्यक्ष, मंडल के निर्वाचन सहयोगी सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु टंसार में बैठक आयोजित

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ

सीधी। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रदेश के 51 जिलों में किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा इस अभियान को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ अनुसूचित जनजाति वर्ग के जीवन स्तर को सुधारने के लिए एवं उनके समग्र विकास के लिए संचालित किया जा रहा है, ताकि सभी जनजातीय बसाहटों में अधो संरचना संबंधी कार्य पूर्ण हो सकें। जिले में उक्त अभियान के तहत 134 गांव चिन्हित किए गए हैं, इसमें सिहावल विकासखंड के 14, सीधी के 48, रामपुर नैकिन के 11, कुसमी के 37 और मझौली के 24 गांव चिन्हांकित हैं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी श्री अंशुमन राज द्वारा दिनांक 28.11.2024 को विकासखंड कुसमी की बैठक टंसार में जनप्रतिनिधियों एवं लाइन डिपार्टमेंट के 18 विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों को आमंत्रित कर आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के 18 विभागों की 25 सेवाओं में जो गैप है उसकी योजना बनाई जा सके और समय-सीमा में शासन को प्रस्ताव भेजा जा सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी ने संबंधित ग्राम के सचिव एवं रोजगार सहायक से 18 विभागों की 25 सेवाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की तथा जो गैप है उसके प्रस्ताव उनसे आमंत्रित किए। इस अवसर पर श्रीमती श्यामवती सिंह जनपद अध्यक्ष कुसमी, श्रीमती हीराबाई सिंह जिला पंचायत सदस्य, श्री भूपाल सिंह जनपद उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य श्रीमती जमुनी देवी, श्रीमती रुचि सिंह एसडीएम कुसमी श्री आर पी त्रिपाठी, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग डॉ डी के द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी श्री ज्ञानेंद्र मिश्रा के अतिरिक्त सभी लाइन डिपार्टमेंट के जिलाध् विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा सचिव/रोजगार सहायक एवं धरती आबा के प्रभारी श्री संजय सिंह उपस्थित थे।

विधानसभा प्रश्नों का उत्तर भेजने नोडल अधिकारी नियुक्त

सीधी। आगामी विधानसभा सत्र को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर विधानसभा प्रश्नों का उत्तर तैयार कराकर समय-सीमा में उत्तर भेजने हेतु प्रिया पाठक (परि.) डिप्टी कलेक्टर जिला सीधी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। विधानसभा सत्र दिसम्बर 2024 प्रारंभ होने से प्रशासनिक कार्य सुविधा के दृष्टि से अवकाश दिवस में भी समस्त कार्यालय खुले रहेंगे। समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि विधानसभा प्रश्नों का उत्तर तैयार कर समय-सीमा में भेजने हेतु अपने स्तर से अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाया जाना सुनिश्चित करें।

विकासखंड जेण्डर कैंपेन अभियान अंतर्गत हिंसा के विरूद्ध जागरूकता गतिविधियों का किया जा रहा है आयोजन

सीधी। म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक एवं जिला जेंडर नोडल श्री हरि राम त्रिपाठी सीधी ने बताया कि नई चेतना जेण्डर आधारित हिंसा के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान 3.0 के तहत सीधी जिले के ग्रामीण क्षेत्र में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाएं, महिला एवं बाल विकास और अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्व सहायता समूह सदस्यों के साथ विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा

रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के संदेश का प्रसार महिलाओं के बीच किया जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड प्रबंधक श्री अशोक पाण्डेय एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक (विकासखंड जेंडर नोडल) श्री मनोज मिश्रा ने बताया कि समूह से जुड़ी महिलाओं को नई चेतना जेण्डर आधारित हिंसा के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान 3.0 के बारे में बताकर जागरूक करने का प्रयास मैदानी स्टॉफ द्वारा किया जा रहा है। जागरूक गतिविधियों के तहत रंगोली, संगोष्ठि, जेंडर शपथ, मेंहदी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, आदि गतिविधियां संचालित की जा रही है।

''हम होंगे कामयाब'' पखवाड़ा के तहत घरेलू हिंसा पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आर सी त्रिपाठी के मार्गदर्शन में 29 नवंबर को टाटा कालेज में ''हम होंगे कामयाब'' पखवाड़ा के तहत घरेलू हिंसा पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में परियोजना अधिकारी-1

आशा तिवारी द्वारा छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम एवं कार्यक्रम की रूप रेखा बताया गया। प्रशासक मंजुला तिग्गा द्वारा महिला हिंसा की रोक थाम हेतु विभिन्न नीतियों पर चर्चा किया गया। केस वर्कर अरुणिमा पाठक द्वारा घरेलू हिंसा क्या है और कैसे न्यायालय द्वारा केस दर्ज कर निजात पाया जाता है इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। पुष्पलता शर्मा द्वारा हेल्प लाइन के बारे में बताया गया एवं उमा सेन द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत की नीतियां बनाई गई।

सजहा की 5.926 हेक्टेयर शासकीय भूमि को अतिक्रमकों से मुक्त कराया गया

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में नायब तहसीलदार जयप्रकाश पाण्डेय द्वारा रामपुर नैकिन तहसील अंतर्गत ग्राम सजहा की शासकीय भूमि को अतिक्रामकों से मुक्त कराया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में फर्जी तरीके से ग्राम कंधवार निवासी रुपेश सिंह पिता लक्ष्मी प्रताप सिंह बघेल, अरुण सिंह पिता देवराज सिंह बघेल तथा महेंद्र सिंह पिता चन्द्रशेषर सिंह बघेल के द्वारा ग्राम सजहा की 5.926 हेक्टेयर शासकीय भूमि को अपने नाम दर्ज करा लिया गया था जिसमें न्यायालय अपर कलेक्टर सीधी के आदेश के परिपालन में वापस म.प्र. शासन दर्ज किया गया व मौके पर जाकर शासकीय भूमि को अतिक्रामकों से मुक्त कराया गया।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला–सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक / 1680 / खनिज / 2024 सीधी, दिनांक 27/11/2024

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिये "

// प्रथम सूचना //

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री प्रवीण कुमार मिश्रा पिता स्व0 श्री यमुना प्रसाद मिश्रा निवासी शिव 17/262–21–वाय, परमहंसनगर कालोनी शिवपुर, थाना शिवपुर जिला वाराणसी (उ0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 19.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 02.12.2024 से 01.01.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	मझौली	नारो	1034	2.230	शासकीय	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र मे आवेदित क्षेत्र के संबंध मे अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति मे उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगें। उपरोक्त अवधि मे प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि मे अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष मे नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार मे नही लिया जायेगा।

खनि अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-19660/24

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला–सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक / 1683 / खनिज / 2024 सीधी, दिनांक 27/11/2024

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिये "

// प्रथम सूचना //

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक आवेदक श्री गौरव कुमार सिंह पिता श्री शिवशंकर सिंह निवासी एस17/262–35ए, परमहंसनगर कालोनी शिवपुर तरना, थाना शिवपुर जिला वाराणसी (उ0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 19.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 02.12.2024 से 01.01.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	मझौली	हथगढ	37, 38, 40	3.220	शासकीय	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति मे उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगें। उपरोक्त अवधि मे प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि मे अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष मे नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार मे नही लिया जायेगा।

खनि अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-19587/24

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला–सीधी (म0प्र0)

कमांक–पुअ/सीधी/रनि/ 8231 /2024 दिनांक 26/11/2024

खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति

जिला सीधी पुलिस पुलिस विभाग अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रशासकीय भवनो के निर्माण कार्य करवाये जाने हेतु तकनीकी एवं वित्तीय खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें एवं अन्य जानकारी रक्षित केंद्र सीधी से प्राप्त कर सकते है।

समय सारणी

निविदा प्रारंभ दिनांक	27.11.2024
निविदा की समाप्ति दिनांक/समय	05.12.2024/15:00 बजे तक
निविदा विभागीय समिति के समक्ष खोलने का दिनांक/समय	05.12.2024 समय 16:00 बजे

कार्य का विवरण

क0	कार्य का विवरण	स्वीकृति राशि	कार्य की अवधि(कार्यादेश जारी होने के दिनांक से)
01	महिला सुरक्षा शाखा सीधी में प्रस्तावित सी0सी0टी0व्ही0 सर्विलांस कंट्रोलरूम में छत ग्रेडिंग(वाटर प्रूफिंग), फाल सीलिंग, पुट्टी एवं पुताई कार्य,	325187	15 दिवस
02	महिला सुरक्षा शाखा सीधी में प्रस्तावित सी0सी0टी0व्ही0 सर्विलांस कंट्रोलरूम में विद्युत फिटिंग कार्य।	425662	15 दिवस
03	डीएसबी व डीसीबी शाखा से सम्बद्ध बाथरूम में नवीन टैंक, सेनेट्री फिटिंग, टाईल्स फिटिंग, विद्युत फिटिंग, टंकी एवं पाईप लाइन कनेक्शन, दीवाल एवं छत मरम्मत कार्य।	159000	15 दिवस
04	रिकार्ड शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दीवाल मरम्मत, पुट्टी एवं पुताई कार्य।	70493	15 दिवस
	कुल योग	980342	

पुलिस अधीक्षक
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-19576/24

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला–सीधी (म0प्र0)

कमांक–पुअ/सीधी/रनि/ 8230 /2024 दिनांक 26/11/2024

खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति

जिला सीधी पुलिस पुलिस विभाग अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रशासकीय भवनो के निर्माण कार्य करवाये जाने हेतु तकनीकी एवं वित्तीय खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें एवं अन्य जानकारी रक्षित केंद्र सीधी से प्राप्त कर सकते है।

समय सारणी

निविदा प्रारंभ दिनांक	27.11.2024
निविदा की समाप्ति दिनांक/समय	05.12.2024/15:00 बजे तक
निविदा विभागीय समिति के समक्ष खोलने का दिनांक/समय	05.12.2024 समय 16:00 बजे

कार्य का विवरण

क0	कार्य का विवरण	स्वीकृति राशि	कार्य की अवधि(कार्यादेश जारी होने के दिनांक से)
01	पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आंगतुक कक्ष का निर्माण कार्य।	476000	30 दिवस
02	उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के कार्यालय से सम्बद्ध नया बाथरूम का निर्माण कार्य।	291000	30 दिवस
03	इकाई में संचालित दिशा लर्निंग सेंटर में छात्र/ छात्राओं के लिये नवीन बाथरूम का निर्माण कार्य।	227500	30 दिवस
	कुल योग	994500	

पुलिस अधीक्षक
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-19633/24

विन्ध्य टाइगर
सीधी, शनिवार 30 नवम्बर 2024

संपादकीय

असहमति के बीच कॉप-29 का समापन

अजरबैजान की राजधानी बाकू में हो रही 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-29) का जिस तीखी असहमति और कड़वे बयानों के साथ समापन हुआ, उसे किसी भी रूप में पॉजिटिव नहीं कहा जा सकता। क्लाइमेट चेंज जैसे अहम मसले पर विकासशील और विकसित देशों के बीच अविश्वास और संदेह का माहौल बनना भविष्य में सभी देशों की साझा पहल की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। विकासशील देशों में इस तरह से छले जाने का भाव पैदा होने के पीछे सबसे बड़ी वजह रही विकसित देशों की कंजूसी। कहां तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने वाले कदमों का खर्च उठाने में विकासशील देशों की मदद करने के लिए सालाना 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान जुटाने की बात थी और कहां विकसित देश सालाना 300 बिलियन डॉलर पर आकर ठहर गए। जिस तरह से इस मामूली और नाकाफी टारगेट को तय किया गया - न तो इस पर ढंग से चर्चा होने दी गई और न ही संबंधित राष्ट्रों को विरोध दर्ज करने का मौका दिया गया - उससे भी विकासशील देशों में नाराजगी पैदा हुई। एक और बात यह रही कि यह रकम भी विकासशील देशों को पूरी तरह ग्रांट के रूप में नहीं मुहैया कराई जाएगी। इसे विभिन्न सरकारों के साथ ही प्राइवेट स्रोतों से भी जुटाने की बात है जिसमें मल्टिलैटरल डिवेलपमेंट बैंक भी शामिल हैं। जाहिर है, कर्ज और उससे जुड़ी शर्तें भी विकासशील देशों के हिस्से आने वाली हैं। सम्मेलन के आखिर में बने इस माहौल से अलग हटकर देखा जाए तो दिलचस्प है कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का कार्यकाल अभी शुरू नहीं हुआ है, न ही वह इस सम्मेलन में मौजूद रहे, इसके बावजूद सम्मेलन पर उनका साया महसूस होता रहा। यह बात सबके ध्यान में थी कि आगामी 20 जनवरी से शुरू हो रहे उनके कार्यकाल के दौरान क्लाइमेट चेंज के मसले पर अमेरिका से किसी तरह के पॉजिटिव रुख की उम्मीद नहीं की जा सकती। ऐसे में कई विकसित देशों के प्रतिनिधियों की दिलचस्पी यह सुनिश्चित करने में थी कि फंड कम हो या ज्यादा, पर क्लाइमेट चेंज को लेकर जिस तरह की वैश्विक सहमति हासिल की जा चुकी है, उसे आने वाले वर्षों में कोई नुकसान न पहुंचाया जा सके। भारत ने अपनी अब तक की भूमिका के अनुरूप ही विकसित देशों के नकारात्मक रुख का तीव्र विरोध करने में विकासशील देशों की अगुआई की और ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं का ख्याल न रखने वाले इस फैसले को गलत बताया।

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

(ललित गर्ग)

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी।

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी

प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं।

खेती की दिक्कतों से निपटेंगे कवच लगे बीज

वैज्ञानिक ऐसे पौधों के विकास में लगे हैं जो तनाव होने पर अलार्म बजाते हैं और बीजों को सूखे के प्रति अधिक सहनशील बनाते हैं। ये और भविष्य में विकसित होने वाली दूसरी तकनीक जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया की आबादी को पोषित करने के लिए आवश्यक होंगी। एमआईटी के वैज्ञानिक बेनेडेटो मारेली के मुताबिक पानी के बाद पहली चीज जो हमें चाहिए, वह है भोजन। चूंकि हम 10 अरब लोगों की दुनिया के पोषण के लिए नई रणनीतियां खोजने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमें खाद्य पदार्थ उत्पन्न करने के नए तरीके खोजने होंगे। एमआईटी ने हाल ही में जलवायु परियोजना के छह मिशन शुरू किए हैं। मारेली इनमें से एक के निदेशक हैं जो उद्योग को कार्बन रहित करने और प्रतिकूल मौसमी हालात झेलने वाले शहरों के निर्माण जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

(मुकुल)

विश्व में तापमान में वृद्धि के साथ कृषि को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से सूखा पड़ने की घटनाएं बढ़ेंगी और कुछ भूमि कृषि योग्य नहीं रह पाएगी। इसके अलावा फर्टिलाइजर और अन्य कृषि रसायनों के उत्पादन का विस्तार किए बिना बढ़ती आबादी के लिए भोजन का इंतजाम करना भी मुश्किल होगा। मुश्किल यह है कि फर्टिलाइजर का उत्पादन बढ़ाने से कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा, जो ग्लोबल वॉर्मिंग में योगदान दे रहा है। अब अमेरिका में एमआईटी के वैज्ञानिक इन मुद्दों को विभिन्न कोणों से हल कर रहे हैं।

पौधों में अलार्म - वैज्ञानिक ऐसे पौधों के विकास में लगे हैं जो तनाव होने पर अलार्म बजाते हैं और बीजों को सूखे के प्रति अधिक सहनशील बनाते हैं। ये और भविष्य में विकसित होने वाली दूसरी तकनीक जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया की आबादी को पोषित करने के लिए आवश्यक होंगी। एमआईटी के वैज्ञानिक बेनेडेटो मारेली के मुताबिक पानी के बाद पहली चीज जो हमें चाहिए, वह है भोजन। चूंकि हम 10 अरब लोगों की दुनिया के पोषण के लिए नई रणनीतियां खोजने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमें खाद्य पदार्थ उत्पन्न करने के नए तरीके खोजने होंगे। एमआईटी ने हाल ही में जलवायु परियोजना के छह मिशन शुरू किए हैं। मारेली इनमें से एक के निदेशक हैं जो उद्योग को कार्बन रहित करने और प्रतिकूल मौसमी हालात झेलने वाले शहरों के निर्माण जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

बीजों की कोटिंग- मारेली सूखे की स्थिति में या पोषक तत्वों से रहित मिट्टी में बीजों को जीवित रहने और अंकुरित होने में मदद करके फसल की पैदावार बढ़ाने के तरीके विकसित कर रहे हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्होंने बीजों के लिए रेशम और अन्य पॉलिमर पदार्थ पर आधारित कोटिंग तैयार की है, जो महत्वपूर्ण अंकुरण प्रक्रिया के दौरान बीजों को ढक सकती हैं और उन्हें पोषण दे सकती हैं। स्वस्थ मिट्टी में पौधों को नाइट्रोजन, फॉस्फेट और अन्य पोषक तत्व मिलते हैं। इनमें से कई तत्वों की आपूर्ति मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्म जीव करते हैं। सूखे या अत्यधिक खेती से प्रभावित मिट्टी में अक्सर इन पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

कवच का काम- मारेली का विचार बीजों को एक ऐसे पॉलिमर से ढकना था, जिसमे पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले बैक्टीरिया को समाविष्ट किया जा सके। यह बैक्टीरिया हवा से नाइट्रोजन को लेकर इसे पौधों को देता है। ये सूक्ष्म जीव पौधों को अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी उपलब्ध करा सकते हैं। एमआईटी में अपनी लैब में मारेली ने दिखाया कि बीज की कोटिंग अंकुरित पौधों को सूखे, अल्ट्रा वॉयलेट प्रकाश के संपर्क और उच्च लवणता से बचने में मदद कर सकती हैं।

मोरक्को में प्रयोग- मारेली मोरक्को के रिसर्चरों के साथ काम करते हुए वहां की मूल फसलों के लिए इस नई तकनीक को आजमा रहे हैं। मोरक्को ने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वर्षा में गिरावट के कारण लगातार छह वर्षों तक सूखे का सामना किया है। इन अध्ययनों के लिए रिसर्चर रेशम के बजाय खाद्य अपशिष्ट से प्राप्त बायोपॉलिमर कोटिंग का उपयोग कर रहे हैं, जो मोरक्को में आसानी से मिल जाती है। रिसर्चर बायोपॉलिमर निकालने के लिए स्थानीय लोगों के साथ काम कर रहे हैं। वे एक ऐसी प्रक्रिया विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं जो बड़े पैमाने पर काम कर सके।

जड़ों में बैक्टीरिया - एमआईटी के रिसर्चरों का एक मकसद फर्टिलाइजर उत्पादन में कार्बन फुटप्रिंट कम करना भी है। सिंथेटिक फर्टिलाइजर अधिकांश खेतों के लिए जरूरी है, लेकिन इसका इस्तेमाल महंगा है और पर्यावरण पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। दुनिया में ज्यादातर फर्टिलाइजर का उत्पादन हैबर-बॉश प्रॉसेस का उपयोग करके किया जाता है, जो उच्च तापमान और दबाव पर नाइट्रोजन और हाइड्रोजन को अमोनिया में बदलता है। इस प्रॉसेस में ज्यादा ऊर्जा लगती है। दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में इस प्रॉसेस का हिस्सा लगभग 1.5 प्रतिशत है। दुनिया भर के खेतों तक इस फर्टिलाइजर के लिए आवश्यक परिवहन से और भी अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5567

1	2	3	■	■	4	5	6
7			8	■	9		
10		■	11			■	
■	12			■	13	14	
15		■	■	■	16		
17		18	■	19		■	■
■	■	20	21	■	22	23	24
■	25			■	■	26	

संकेत: बाएं से दाएं

1. 8 जुलाई 1994 को शिमाकी मुकाई इस देश की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री बनीं (3)
4. इस राज्य का प्राचीन नाम प्रागज्योतिषपुर है (3)
7. बलिष्ठ पुरुष, बलवीर (4)
9. गहन चिंतन करने का भाव (3)
10. गमन करना, प्रस्थान करना (2)
11. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
12. शक्तिवर्द्धन, संवर्धन, संपोषण (3)
13. रस्म, प्रथा, चलन, सामाजिक नियम (3)
15. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई जो दो कोस के बराबर होती थी (2)
16. निजका, निजी, स्वजनीय (3)
17. जिसका कोई रक्षक, मददगार या स्वामी हो (3)
19. कृत्रिम, बनावटी (2)
20. मुकाम, एड्रेस (2)
22. शरीर में मुंह से तेज हवा झटके से बाहर निकालना (3)
25. वह जो किसी के पक्ष में कानूनी रूप से समर्थक हो (3)
26. मस्तक, माथा, ललाट, माथा (3)

ऊपर से नीचे

1. जगह-जगह, यदा-कदा, जहां-तहां (3)
2. परपालना, परवरिश करना (6)
3. आकाश, अंबर, व्योम (2)
4. यह नाम सरोदवादन के साथ जुड़ा है (7)
5. पुत्र बेटा (अंग्रेजी)(2)
6. इच्छा होना, दिल में आना, वांछा करना (5)
8. स्राव, ठोस से तरलीभवन, विगलन (3)
14. बौद्ध मंदिर, शिखर, टीला, ढेर (2)
18. वह आघात जो प्रेमवश किसी के शरीर या पीठ आदि पर हथेली से धीरे-धीरे पहुंचाया जाए (3)
21. छोटा तालाब, अभिनय गति, प्राकृतिक जलाशय, संगीत से संबंधित एक शब्द (2)
23. परिषद, गोष्ठी, विधान परिषद, अंजुमन (2)
24. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा, कमल कुमुद आदि फूलों की लंबी व खोखली डंडी (2)

वर्ग पहेली 5566 का हल

फे	स	दु	क	■	फ	री	द
फ	ल	क	■	म	ल	मा	स
ड़ा	■	सौ	ह	त	■	ला	■
■	जे	ल	■	ग	■	गु	दा
ज	■	र	म	ण	■	■	म
य	म	■	त	ना	व	■	न
दे	हा	त	■	■	क	ल	गी
व	न	ज	■	रे	■	ता	र

बांग्लादेश के हालात बता रहे हैं- 'एक हैं तो सेफ हैं' सिर्फ चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार का राउंड टू चल रहा है जिसे दुनिया के बड़े-बड़े देश बड़े चाव से देख रहे हैं। हिंदुओं को जिस तरह मारा काटा जा रहा है उस पर संयुक्त राष्ट्र भी चुप है, संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार आयोग और दुनिया भर में काम करने वाले तमाम मानवाधिकार संगठन चुप हैं क्योंकि जिनको मारा जा रहा है, जिनको काटा जा रहा है, जिनके घर जलाये जा रहे हैं, जिनके यहां लूट की जा रही है, जिनकी बेटियों के साथ अत्याचार किये जा रहे हैं, वह सब हिंदू हैं। गाजा में एक भी मस्जिद पर हमला होता है तो पूरी दुनिया में मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक बड़ा बवाल खड़ा कर देने वाले बांग्लादेश में मंदिरों को आग के हवाले होते देख कर, देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित होता देख कर बड़े खुश हो रहे हैं और किसी की जुबान से उफ तक नहीं निकल रही।

देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है। दुनिया के किसी भी हिस्से में जब किसी हमले में मुस्लिमों की मौत होती है तो पूरी दुनिया में विरोध प्रदर्शन होते हैं और संयुक्त राष्ट्र भी आपात बैठकें बुला कर निंदा प्रस्ताव पास करने लगता है और शांति की अपील करने लगता है लेकिन ढाका और बांग्लादेश के अन्य इलाकों में हिंदुओं का खून बह रहा है तो इसे एक देश का आंतरिक मामला बताया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस जिस तरह इतने खूनखराबे पर भी खामोश हैं और मुस्कुरा के सब कुछ देख रहे हैं उसके चलते उनका नोबेल शांति पुरस्कार छीना जाना चाहिए। शांति का नोबेल पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति के पास हर्गिज नहीं रहना चाहिए जो नरसंहार को बढ़ावा दे रहा हो या उसे रोक पाने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा हो। बांग्लादेश के हालात को देखते हुए तो ऐसा लगता है कि मोहम्मद यूनुस को लाया ही इसलिए गया था ताकि वह कट्टरपंथियों को मनमानी करने की आजादी दे सकें और इस्लामिक देश से उसी तरह हिंदुओं का सफाया किया जा सके जिस तरह पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने अपने यहां से कर दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरक्षण के नाम पर बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन अब हिंदू विरोधी आंदोलन का रूप ले चुका है।

बहरहाल, बांग्लादेश से जो तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं उससे भारत के हिंदुओं को भी बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं का अर्थ समझ आ जाना चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति बता रही है कि अगर हिंदू कटेंगे तो दुनिया में कहीं कोई आवाज नहीं उठेगी और कोई बचाने नहीं आयेगा इसलिए एक हैं तो सेफ हैं यह कोई चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है।

आज का राशिफल

मेष
आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको कहीं परिवार के लोगों के साथ जरूरी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपके व्यापार में प्रगति से आपको काफी हर्ष होगा। वैवाहिक जीवन भी आनन्ददायक बीतेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा महसूस होगा और आपका कुछ कम होगा। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है

वृष
आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको मन के मुताबिक हर कार्य में परिणाम प्राप्त होने से खुशी होगी। आपके धन में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। किसी बहुप्रतिक्षित शुभ परिणाम से भी हर्ष होगा। रात्रि का समय परिवार के लोगों के साथ हंसी खुशी में बीतेगा। जिससे आपके दिमाग को भी रिलेक्स मिलेगा।

मिथुन
आज दिन फायदेमंद रहेगा और आपको अच्छे समाचार मिलने से खुशी होगी। आपके बेवजह के खर्चे कम होंगे। अगर आप किसी बीमारी से परेशान हैं तो आज तकलीफ बढ़ सकती है। सामाजिक कामों में रुकावटें आ सकती हैं। इसलिए कोई भी काम सोच-समझकर ही करें। अचानक कुछ लाभ होने से आपका धर्म-कर्म में मन लगेगा।

कर्क
आज का दिन शुभ है। किस्मत का साथ मिलेगा। आपकी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। बच्चों पर आपका भरोसा और बढ़ेगा। आपको मन में खुशी होगी और आपके सितारे साथ देंगे। आपको ननिहाल के लोगों से खास मदद मिल सकती है। आपका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह
आज का दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक परेशानी की वजह से तनाव हो सकता है। किसी काम में मन नहीं लगेगा। माता-पिता के सहयोग से दिन के दूसरे हिस्से में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से नाराजगी हो सकती है। इसलिए मीठा बोलें, वरना रिश्तों में खटास आ सकती है। आपको डॉक्टर के पास जाना पड़ सकता है।

कन्या
आज दिन सामान्य रहेगा और आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। मुश्किल कामों को पूरा करने में आप सक्षम रहेंगे। घरवालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके जीवन में खुशहाली आएगी। फिजूलखर्ची भी हो सकती है, सावधान रहें और दूसरों की बात का बुरा न मानें। व्यापार में धन लाभ होगा। दिन आनंद में बीतेगा।

तुला
आज का दिन करियर और पैसों के मामले में अच्छा है। आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। दूसरों के काम पूरे करने के लिए आपको ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। अपने गुरु के प्रति पूरी श्रद्धा और निष्ठा रखें। अगर किसी नए काम में पैसा लगाना पड़े तो दिल खोलकर लगाएं।

वृश्चिक
आज मन किसी कारण से अशांत रहेगा। व्यापार बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास असफल हो सकते हैं। शाम तक आप अपनी बुद्धि और धैर्य से दुश्मनों पर जीत हासिल करेंगे। अगर कोई मुकदमा चल रहा है तो उसमें जीत मिल सकती है। भाग्य में वृद्धि होगी। इससे आपका मन खुश रहेगा और आपको फायदा होगा।

धनु
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही दिखाने से बचना होगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप व्यस्त रहने के कारण अपने कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे। जीवनसाथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं, जिसे आपको पूरा करना होगा।

मकर
आज सम्मान में वृद्धि होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में अपने से वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है। पराक्रम में वृद्धि होगी। शत्रुओं का मनोबल टूटेगा। दिन के उत्तरार्द्ध में अचानक अतिथियों के आगमन से व्यय भार बढ़ेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगा।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खुद को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए व्यायाम करें।

मीन
आज आप अपनी योजनाओं को अमल में लाने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। धन लाभ के संकेत हैं। पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन दिनचर्या में सुधार लाने का प्रयास करें।

संक्षिप्त समाचार

कपिल सिब्बल करेंगे अब्बास अंसारी की जमानत पर बहस, 11 दिसंबर को होगी सुनवाई

प्रयागराज, एजेंसी। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे और विधायक अब्बास अंसारी की जमानत पर नामी वकील कपिल सिब्बल बहस करेंगे. अब्बास ने गैंगस्टर एक्ट में दर्ज मुकदमे में जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है. अब्बास अंसारी के वकील की ओर से मामले की सुनवाई स्थगित करने के अनुरोध को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अगली तिथि 11 दिसंबर नियत की है. जमानत अर्जी पर न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ सुनवाई कर रही है. अब्बास अंसारी पर चित्रकूट के कर्वी थाने में दर्ज मुकदमे के आधार पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है. अब्बास के अधिवक्ता उपेन्द्र उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मामले में बहस करना चाहते है. उनके बहस करने की अनुमति देने की मांग की गई. इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया. कोर्ट ने याची के अधिवक्ताओं को याद दिलाया कि शीर्ष अदालत के आदेश पर जमानत अर्जी पर सुनवाई तेज कर दी गई है. साथ यह भी कहा कि जमानत आवेदन आदेश के 18 दिनों के बाद दायर किया गया है. गुरुवार को आवेदक के वकील की सुनवाई स्थगित करने की प्रार्थना को न्यायालय ने स्वीकार करते हुए अगली तिथि नियत कर दी. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी के वकील की ओर से मामले की सुनवाई स्थगित करने के अनुरोध को स्वीकार कर अगली तिथि 11 दिसंबर नियत की है. न्यायमूर्ति समित गोपाल की अदालत मामले की सुनवाई कर रही है।

जम्मू-कश्मीर : धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में 10वीं कक्षा का छात्र गिरफ्तार

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक विशेष समुदाय के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में पुलिस ने 10वीं कक्षा के एक लड़के को गिरफ्तार किया है. इस मामले में आरोपी के खिलाफ डोडा थाने में एफआईआर भी दर्ज की गई है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि डोडा पुलिस ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली नफरती टिप्पणियां फैलाने के आरोप में एक नाबालिग लड़के के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस ने बताया कि डोडा थाने में एक किशोर के खिलाफ सोशल मीडिया पर नफरती टिप्पणी फैलाने की शिकायत मिली थी, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने और इलाके में कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्या पैदा होने की आशंका थी. शिकायत मिलने के बाद आरोपी के खिलाफ डोडा थाने में बीएनएस की संबंधित धाराओं और 67 आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया. पुलिस प्रवक्ता ने कहा, डोडा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और पुलिस टीमों को अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया तथा उपद्रवी को पकड़ने के लिए आधी रात को छापेमारी की गई. इसके अलावा आम लोगों की सुरक्षा के लिए पूरे सुरक्षा तंत्र को अलर्ट मोड पर रखा गया. आखिरकार कड़ी मशक्कत के बाद और स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस किशोर को पकड़ने में सफल रही. उन्होंने बताया कि आरोपी को डोडा के किशोर न्याय बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जम्मू के ऑब्जर्वेटरी होम में 15 दिनों के लिए रखा गया. इस मामले में आगे की जांच जारी है. एसएसपी डोडा संदीप मेहता ने कहा कि कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और जो कोई भी अपने कृत्यों से जिले के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

वंदे भारत स्लीपर के लिए करना होगा लंबा इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या रेलवे यात्रियों को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा? कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि डिजाइन मंजूरी संबंधी मुद्दों के कारण वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की विनिर्माण प्रक्रिया शुरू होने में देरी हो रही है। हालांकि, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया में आई इन खबरों को खारिज किया है। वैष्णव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि इन ट्रेनों के निर्माण के लिए जिस रूसी कंपनी को चुना गया, उसके लिए डिजाइन कभी कोई मुद्दा नहीं है। इससे पहले, मीडिया के एक वर्ग ने रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग (अरू॥) के अधिकारियों के हवाले से इससे जुड़ी खबर दी थी। इसमें कहा गया कि भारतीय रेल ने ट्रेन में शौचालय और पेंट्री कार की मांग की है, जिसके लिए ट्रेन के डिजाइन में बदलाव करना जरूरी हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी ने डिजाइन में बदलाव के संबंध में रेल मंत्रालय की चिंताओं को दूर कर दिया। मंजूरी के लिए इसे मंत्रालय के पास भेजा, लेकिन मंत्रालय ने अभी तक अपनी सहमति नहीं दी है। करार के अनुसार, कंपनी को 1920 शयनयान डब्बा कोच बनाने हैं। सरकार ने लोकसभा को बताया कि 21 नवंबर तक 136 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं बेहतर सुरक्षा और आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ चालू थीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, इन सुरक्षा विशेषताओं और आधुनिक यात्री सुविधाओं में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच, तेज गति, पूरी तरह से सीलबंद गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, बेहतर आरामदेह सवारी, हॉट केस के प्रावधान के साथ मिनी पेंट्री, बोतल कूलर, डीप फ्रीजर और गर्म पानी बॉयलर आदि हैं।

गुरुग्राम में 3 लाख से अधिक अवैध निर्माण वालों पर होगा ऐक्शन; तीन गुना लगेगा प्रॉपर्टी टैक्स

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम शहर में अवैध रूप से भवनों का निर्माण करने वाले व रिहायशी क्षेत्र में भवन का व्यावसायिक प्रयोग करने वालों पर अब निगम की तरफ से भवन में तोड़फोड़ के साथ उसे आर्थिक रूप से भी जुर्माना लगाया जाएगा। इसको लेकर नगर निगम ने हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2021 को लागू कर दिया है। इसके तहत अवैध निर्माण करने वाले भवन मालिक को भवन तोड़ने के नोटिस के साथ ही संपत्ति आईडी के साथ नोटिस को अटैच कर दिया जाएगा। अवैध निर्माण करने वाले भवन मालिकों को संपत्तिकर का तीन गुना यानी एक हजार से सीधा तीन हजा रुपये संपत्तिकर निगम में देना होगा।

बिना नक्शा पास कराए निर्माण पर ऐक्शन : बता दें कि नगर निगम गुरुग्राम के दायरे में तीन लाख से अधिक भवन निगम से बिना नक्शा पास करवाए ही बने हुए हैं। फिलहाल भी शहर में 1500 से अधिक अवैध भवन निर्माणों का कार्य चल रहा है। भवन मालिक किराए की लालच में बिना नक्शा पास करवाए ही पांच से छह मंजिला तक भवनों का निर्माण शुरू कर लेते हैं।

राजस्व का भी होता था नुकसान : इस कारण हादसे होने का डर तो रहता ही है साथ में नगर निगम के राजस्व का भी काफी नुकसान होता है। इसको देखते हुए हरियाणा सरकार व शहरी स्थानीय निकाय के तत्कालीन मंत्री अनिल विज ने इस हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 में और संशोधन कर हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2021 को लागू कर दिया है। इसमें अधिनियम की धारा 87, 87डी और 87ई बनाया गया है। जिसमें अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ संपत्तिकर को तीन गुना वसूलने का प्रावधान किया गया है।

अब तक यह हो रही थी कार्रवाई : निगम की तरफ से अभी तक अवैध निर्माण करने वालों को पहले कारण बताओ नोटिस दिया जाता है। इसके बाद उसे सीलिंग और तोड़ने के आदेश जारी होते हैं। पांच मंजिला अवैध ईमारत को तोड़ने के लिए निगम के पास कोई संसाधन नहीं है। इस कारण निगम द्वारा हल्की तोड़फोड़ करके उसे सील कर दिया जाता है, लेकिन बाद में फिर से सील तोड़कर भवन मालिक अवैध इमारत बना लेता है। इसकी अगर कोई शिकायत कर देता है तो निगम द्वारा भवन मालिक के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवा दिया जाता है। इसके बाद निगम की तरफ अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

क्या कहता है कानून : हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2021 के अधिनियम की धारा 87, 87डी और 87ई में अगर नगर निगम के दायरे में कोई भवन मालिक निगम की बिना अनुमति या निगम से बिना नक्शा पास करवाए भवन का निर्माण करता है, बने हुए मकान के ऊपर नया निर्माण किया जा रहा है या फिर रिहायशी क्षेत्र में संपत्ति का व्यावसायिक प्रयोग में लाया जा रहा है, ऐसी स्थिति में निगम की तरफ से इस अधिनियम के तहत भवन मालिक के संपत्तिकर तीन गुना वसूल किया जाएगा।

तोड़ने पर ही मिलेगी राहत : अगर संपत्ति मालिक निगम को सालाना एक हजार रुपये का भुगतान करता है तो अवैध निर्माण करने पर निगम की तरफ से उससे हर साल तीन हजार रुपये का संपत्तिकर वसूल किया जाएगा। यह संपत्तिकर तब तक वसूल किया जाएगा जब तक भवन मालिक भवन को तोड़ नहीं देगा या फिर जो भी नियमों का उल्लंघन किया है उसे सहीं नहीं करता है। संपत्ति कर व्यावसायिक प्रयोग करने वाले भवन मालिक को भी इसी तरह से तीन गुना संपत्तिकर वसूल किया जाएगा।

तीन लाख से अधिक बने हैं अवैध निर्माण : नगर निगम क्षेत्र में तीन लाख से अधिक अवैध निर्माण बने हुए हैं। शहर में भवन निर्माण करने वाले लोग निगम से बिना अनुमति या बिना नक्शा पास करवाए ही भवनों का निर्माण करते हैं। जिससे शहर की सूरत बिगड़ने के साथ सीवर, पानी, सड़क आदि की समस्याओं से लोगों को जूझना पड़ता है। अब निगम की तरफ से जिस भी अवैध भवन निर्माण करने वाले मालिक को भवन तोड़ने के नोटिस के साथ नए अधिनियम के तहत संपत्तिकर जुर्माना को शामिल किया जाएगा। भवन मालिक के साथ एक कॉपी निगम के संपत्तिकर विंग में जाएगी।

नए नियम के तहत दिए हैं नोटिस : नगर निगम की जोन-1 के संयुक्त आयुक्त ने नए नियम के तहत 300 से अधिक अवैध निर्माण करने वाले लोगों को नोटिस जारी कर दिया है। मालिकों को नोटिस देने के साथ एक कॉपी क्षेत्रिय कराधान अधिकारी को भी भेजी गई है। अब कर विंग की तरफ से उन भवन मालिकों की संपत्ति आईडी पर तीन गुना संपत्तिकर चढ़ाया जाएगा।

पार्टी के सर्वे से ही हुआ खुलासा: अक्तूबर में ही महाराष्ट्र हार गई थी कांग्रेस, ईवीएम तो बस बहाना

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद कांग्रेस नेतृत्व द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पार्टी में ही इसको लेकर मतभेद की स्थिति है। महाराष्ट्र की हार इसलिए भी करारी थी क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने शानदार प्रदर्शन किया था। चुनाव से पहले कांग्रेस के द्वारा कराए गए गए आंतरिक सर्वे में ही हार के संकेत मिल गए थे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में हुए एक सर्वे में 103 सीटों को कवर किया गया था। उसमें एमवीए केवल 44 सीटों पर आगे चल रही थी।

वहीं, लोकसभा चुनावों में यह आंकड़ा 54 था। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की 'लड़की बहिन योजना' ने चुनाव परिणामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस के एक आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार, 88 प्रतिशत लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी थी। 17 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि इस योजना के कारण उनके मतदान की प्राथमिकता बदल गई। एमवीए की रणनीति में इस योजना का प्रभाव समझने में देरी हुई। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि एक बैठक में रणनीतिकारों ने एमवीए को महिलाओं को 3000 रुपये की मासिक सहायता देने का सुझाव दिया था। लेकिन महायुति ने पहले ही योजना के तहत 2100 मासिक सहायता की घोषणा कर दी थी, जिससे उन्हें महिलाओं के बीच व्यापक समर्थन मिला। हार के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का निर्णय लिया। हालांकि पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह रणनीति महाराष्ट्र और केंद्रीय नेतृत्व का चेहरा बचाने की एक कोशिश है। आपक बता दे कि कांग्रेस कार्यसमिति शुक्रवार को विधानसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा करेगी।

आईटीआई की छात्राओं को पीरियड के दौरान मिलेगी 2 दिन की छुट्टी, केरल सरकार ने लिया फैसला

तिरूअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट्स (आईटीआई) में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार ने हर महीने उन्हें पीरियड के दौरान 2 दिन की छुट्टी देने का फैसला लिया है। स्टेट जनरल एजुकेशन मिनिस्टर वी शिवनकुट्टी की ओर से यह फैसला लिया गया। स्किल-ट्रेनिंग कार्यक्रमों के दौरान शारीरिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया, जहां छात्राएं लगातार बेहतर प्रदर्शन करती रही हैं। शिक्षा मंत्री की ओर से इसे लेकर गुरुवार को बयान जारी किया गया, जिसमें इस फैसले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया, आज महिलाएं हर क्षेत्र में सक्रिय हैं। मजबूत शारीरिक जरूरत वाले कौशल-प्रशिक्षण में भी अच्छा कर रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने आईटीआई में पढ़ने वाली छात्राओं को हर महीने 2 दिन की मासिक धर्म छुट्टी देने का फैसला लिया है। अधिकारियों ने बताया कि केरल में 100 से अधिक आईटीआई सेंटर हैं। इनमें पढ़ने वाली छात्राओं को निश्चित तौर पर लाभ मिलेगा। केरल सरकार के फैसले से कितनी लड़कियों को सुविधा मिलेगी, इसका पूरा आंकड़ा इकट्ठा किया जा रहा है। मालूम हो कि पिछले साल केरल उच्च शिक्षा विभाग की ओर से छात्रों को बड़ी राहत दी गई थी।

हाई कोर्ट का बड़ा आदेश: 1978 से सेना के कब्जे में थी जमीन, अब देना होगा 46 साल का किराया

जम्मू-कश्मीर , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने एक फैसला सुनाया जिसमें याचिकाकर्ता को बड़ी राहत देते हुए भारतीय सेना को 46 साल का किराया चुकाने का आदेश दिया। आपको बता दें कि याचिकाकर्ता की जमीन 1978 से सेना के कब्जे में थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संपत्ति का अधिकार न केवल संवैधानिक और वैधानिक अधिकार है बल्कि यह मानव अधिकारों के दायरे में भी आता है।

आपको बता दें कि कुपवाड़ा जिले के तंगधार क्षेत्र के निवासी अब्दुल मजीद लोन ने सेना द्वारा उनकी भूमि का किराया अदा न किए जाने के खिलाफ याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट की बेंच में जस्टिस वसीम सादिक नरगल शामिल थे। इस बेंच ने 11 नवंबर को यह आदेश जारी किया। यह भूमि 12 कनाल और 14 मरला में फैली हुई है और सेना कथित रूप से इस पर 1978 से कब्जा किए हुए है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, मानव अधिकारों को व्यक्ति के अधिकारों जैसे कि आवास, आजीविका, स्वास्थ्य और रोजगार के दायरे में माना गया है। समय के साथ इन अधिकारों का बहुआयामी विस्तार हुआ है। आदेश में यह भी कहा गया कि सेना ने बिना किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए याचिकाकर्ता की भूमि पर कब्जा किया और किराया भी नहीं दिया है। यह याचिकाकर्ता के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

सेना और केंद्र सरकार के दावे खारिज : केंद्र सरकार और सेना द्वारा यह दावा किया गया था कि उन्होंने भूमि पर कब्जा नहीं किया है। कोर्ट ने इस दावे को कानून की कसौटी पर खरा न मानते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने कुपवाड़ा के उपायुक्त को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के भीतर संबंधित तहसीलदार की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की एक टीम गठित करें। यह टीम भूमि पर कब्जे के लिए किराए का आकलन करेगी।

एक महीने में भुगतान का आदेश : आकलन रिपोर्ट के आधार पर, सेना को एक महीने के भीतर याचिकाकर्ता को किराया चुकाने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया कि सरकार और उसकी एजेंसियां किसी भी नागरिक की संपत्ति पर कानूनन प्रक्रिया के बिना कब्जा नहीं कर सकती हैं।

अमृतधारी सिख को दिल्ली मेट्रो में रोके जाने पर सियासी हंगामा, कृपाण के साथ ऐंट्री की कोशिश

अमृतसर, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के झिलमिल मेट्रो स्टेशन पर सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के जवान पर कथित तौर पर एक अमृतधारी सिख को सफर करने से रोकने के आरोप लगे हैं। बताया जाता है कि अमृतधारी सिख कृपाण के साथ मेट्रो में सवारी करना चाहता था। अब इस पूरे प्रकरण को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने इस प्रकरण पर कहा है कि यह देश के संविधान का उल्लंघन है। वहीं युवा अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत झिंजर ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमारी आस्था का पालन करने के हमारे लोकतांत्रिक अधिकार का उल्लंघन है। कृपाण (श्री साहिब) हमारे लिए बहुत पवित्र है। यह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की ओर से हमें दिए गए 5 ककारों में से एक है। यह केवल हमारी आस्था का प्रतीक नहीं है, वरन यह न्याय और निर्दोषों की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की भी याद दिलाता है। युवा अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत झिंजर ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दोषी अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। ऐसी घटनायें सिख समुदाय के लोगों के बीच अलगाव की भावना पैदा कर सकती हैं। ऐसी घटनायें दोबारा ना हों, यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। हमारा संविधान हमारे विश्वास का पालन करने और आचरण करने के हमारे अधिकार की रक्षा करता है। इस तरह की हरकतें उन धार्मिक स्वतंत्रताओं की पूरी तरह से उपेक्षा करती हैं। वहीं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि देश में सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले बार-बार सामने आ रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारें ऐसा करने वालों के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर रही हैं। संविधान के तहत हर नागरिक को अपनी धार्मिक मान्यताओं की रक्षा करने की आजादी है। एक दीक्षित सिख को पांच ककार (आस्था के प्रतीक) अवश्य धारण करने चाहिये। संविधान भी इसकी इजाजत देता है। इस तरह का कृत्य धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के समान हैं।

बीएमसी चुनाव से पहले भाजपा ने कर दी मांग: मुंबई में उर्दू भवन नहीं, आईटीआई बनाओ

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अब बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव की आहट सुनाई देने लगी है। भाजपा ने बायकुला में प्रस्तावित उर्दू भवन के निर्माण का विरोध तेज कर दिया है। पूर्व नगरसेवक भालचंद्र शिरसाट ने बीएमसी आयुक्त को पत्र लिखकर उर्दू भाषा अध्ययन केंद्र के प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की। शिरसाट ने अपने पत्र में कहा कि बायकुला क्षेत्र में पहले से ही 12 उर्दू स्कूल मौजूद हैं, इसलिए उर्दू भाषा केंद्र की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने इस जमीन पर एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) स्थापित करने का आग्रह किया है।

डीसीपीआर 2034 के अनुसार, बायकुला का की यह जमीन शिक्षण संस्थानों के लिए आरक्षित है। इससे पहले इसे बेघर लोगों के आश्रय के लिए आरक्षित किया गया था। 2011 में इस जमीन पर एक आईटीआई बनाने का प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसे विभिन्न सरकारी स्तरों से मंजूरी भी मिली थी। हालांकि, 2021 में कोरोना महामारी के दौरान बीएमसी की ऑनलाइन बैठक में आईटीआई के प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया था।

शिरसाट ने आरोप लगाया कि यह निर्णय बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के लिया गया। उन्होंने कहा, बीएमसी द्वारा लीज रद्द करने की प्रक्रिया में लिखित स्पष्टीकरण, सुनवाई और सुधार समिति की मंजूरी की आवश्यकता होती है। लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ।

स्थानीय विरोध और कानूनी लड़ाई : इसके बाद उर्दू भाषा केंद्र के निर्माण का प्रस्ताव आया, जिसे बीएमसी के ई-वॉर्ड के सहायक आयुक्त ने मंजूरी दी। लेकिन स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध किया और बीएमसी के आईटीआई प्रस्ताव को रद्द करने के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। आपको बता दें कि उर्दू भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और ग्राउंड प्लस एक मंजिल का ढांचा बन चुका है। हालांकि, वर्तमान में यह निर्माण रोक दिया गया है क्योंकि मामला अदालत में लंबित है।

भारत में हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की तैयारी, हरियाणा के 2 शहरों के बीच होगा ट्रायल रन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन लॉन्च करने की तैयारी के साथ एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच जल्द ही ट्रायल रन के लिए दौड़ेगी। इस हाइड्रोजन ट्रेन का डिजाइन रेलवे की शोध, डिजाइन और मानक संगठन द्वारा विकसित किया गया है। डिजाइन को दिसंबर 2021 में अंतिम रूप दिया गया था। इसके निर्माण पर काम तब से लगातार चल रहा है। इस ट्रेन का अंतिम ट्रायल अगले साल की पहली तिमाही में होने की संभावना है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरडीएसओ के महानिदेशक उदय बोरवंकर ने कहा, आरडीएसओ लगातार नए और अभिनव प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता है। हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग सड़क परिवहन में सफल रहा है। रेलवे में अभी तक इसका व्यापक उपयोग नहीं हो सका है। भारत का यह प्रयास टिकाऊ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि होगी।

8 डिब्बे और 2,638 यात्रियों की क्षमता : इस ट्रेन में 8 यात्री डिब्बे होंगे, जिनमें एक बार में 2,638 यात्री यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन की अधिकतम गति 110 किमी/घंटा होगी। इसमें तीन डिब्बे हाइड्रोजन सिलेंडरों, ईंधन

सेल कन्वर्टर्स, बैटरियों और एयर रिज़र्व के लिए होंगे। यह ट्रेन विशेष रूप से कम दूरी के सफर के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वर्तमान में चेन्नई के इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में ट्रेन का इंटीग्रेशन कार्य प्रगति पर है। हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के ईंधन सेल से उत्पन्न बिजली का उपयोग मोटर चलाने के लिए करती हैं। जर्मनी और चीन जैसे देशों ने रेल परिवहन में हाइड्रोजन ईंधन पर काम किया है, लेकिन अब तक केवल जर्मनी में एक सफल हाइड्रोजन ट्रेन परिचालित हो रही है। वहां ट्रेन में सिर्फ दो कोच हैं।

पर्यावरण के लिए फिट है यह ट्रेन : भारत की यह हाइड्रोजन ट्रेन न केवल तकनीकी दृष्टि से बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भी एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इसका लक्ष्य ग्रीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देना है।

क्या होगा ट्रेन का नाम : ट्रेन का नाम अभी तय नहीं हुआ है। हाल ही में आयोजित इंटरनेशनल इनोवेटिव रेल एक्सपो में इस ट्रेन के मॉडल को नमो ग्रीन रेल नाम के साथ प्रदर्शित किया गया था। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आधिकारिक नाम लॉन्च के समय तय किया जाएगा।

महिला प्रीमियर लीग 2025

सीज़न की छोटी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 सीज़न की छोटी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। छोटी नीलामी में इंग्लैंड की कप्तान हीदर नाइट, न्यूज़ीलैंड की तेज़ गेंदबाज़ लिया ताहुहु, वेस्टइंडीज़ की ऑलराउंडर ड्रिएंड्रा डॉटिन कुछ बड़े अंतर्राष्ट्रीय नाम होंगे। वहीं भारतीयों में स्नेह राणा, लेग स्पिनर पूनम यादव और बल्लेबाज़ वेदा कृष्णमूर्ति होंगी। टीम बनाने के लिए पांचों फ्रेंचाइज़ी के पास होगा 15 करोड़ का बजट, पिछली बार 13.5 करोड़ था बजट। 2023 और 2024 सीज़न की रनरअप दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी मेग लैनिंग के पास है और इनके पास सबसे छोटा 2.5 करोड़ का बजट है।

वहीं पिछले दो सीज़न में सबसे नीचे रहने वाली गुजरात जायंट्स के पास सबसे अधिक 4.4 करोड़ का पर्स है। उन्होंने अपनी टीम से सात खिलाड़ी बाहर किए हैं और वे नई टीम बनाने को देख रहे हैं। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पास भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना और न्यूज़ीलैंड की टी20 विश्व कप विजेता कप्तान सोफ़ी डिवाइन हैं, उन्होंने भी सात खिलाड़ी रिलीज किए हैं। आरसीबी के पास 3.25 करोड़ का बजट है।

नवंबर की शुरुआत में प्री-सीज़न ट्रेड विंडो में एकमात्र खिलाड़ी डैनी व्याट ही एकमात्र खिलाड़ी रही जो ट्रांसफर हुई, जहां आरसीबी ने उनको कैश ट्रेड में यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू) से लिया। पिछले सीज़न चौथे स्थान पर रही यूपीडब्ल्यू के लिए व्याट पिछले साल एक भी मैच नहीं खेली। पहला डब्ल्यूपीएल सीज़न पूरा मुंबई में खेला गया था। जबकि दूसरा सीज़न बेंगलुरु और दिल्ली में खेला गया था। बीसीसीआई इसी मॉडल को आगे बढ़ाने की इच्छुक है जिससे धीरे-धीरे नए वेन्यू को जोड़ा जाएगा। वहीं बोर्ड घर और बाहर के फ़ॉर्मेट को लाने का भी इच्छुक है। तीसरे सीज़न में पांच टीम फ़रवरी-मार्च 2025 के बीच तीन सप्ताह में खेलेंगी जबकि 2026 में जनवरी-फ़रवरी में टूर्नामेंट होगा।

विराट के साथ जीता था वर्ल्ड कप

टीम इंडिया के खिलाड़ी ने किया संन्यास का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया इस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. इसी बीच भारत के एक खिलाड़ी ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है. इस खिलाड़ी ने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच साल 2019 में खेला था.

तब से ही ये खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहा था. इस खिलाड़ी ने अब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने संन्यास का ऐलान किया. भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने संन्यास का ऐलान कर दिया है. सिद्धार्थ ने टीम इंडिया के लिए 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले हैं. वह आईपीएल में भी खेल चुके हैं. सिद्धार्थ कौल ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'जब मैं एक बच्चा था और पंजाब के मैदानों में क्रिकेट खेलता था, तो मेरा एक सपना था.

अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना. 2018 में, भगवान की कृपा से, मुझे टी-20 टीम में अपना इंडिया कैप नंबर 75 और ओडीआई टीम में कैप नंबर 221 मिला. अब समय आ गया है कि मैं भारत में अपने करियर को खत्म कर दूं और अपने संन्यास की घोषणा करूं. अपने करियर के सभी उतार-चढ़ावों के दौरान मुझे जो प्यार और समर्थन मिला है, उसके लिए मैं शब्दों में आभार व्यक्त नहीं कर सकता.' बता दें, भारत ने 2008 में विराट कोहली की कप्तानी में

अंडर 19 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. तब सिद्धार्थ कौल भी उस टीम का हिस्सा थे. इसके अलावा सिद्धार्थ कौल ने सीनियर टीम में भी विराट कोहली की ही कप्तानी में डेब्यू किया था. वह हाल ही में रणजी ट्रॉफी में भी खेलते हुए नजर आए थे.

सिद्धार्थ कौल का इंटरनेशनल करियर

सिद्धार्थ कौल ने अपना पहला इंटरनेशनल टी20 मैच 2018 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था. इसके बाद उन्होंने उसी साल इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला. सिद्धार्थ कौल ने अपने वनडे करियर में एक भी विकेट हासिल नहीं किया था. वहीं, टी20 में उन्होंने टीम इंडिया के लिए 4 विकेट चटकाए थे.

इसके अलावा सिद्धार्थ कौल ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली डेयरडेविल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर जैसी फ्रेंचाइजियों का हिस्सा रहे. आईपीएल में उन्होंने 55 मैच खेलते हुए कुल 58 विकेट अपने नाम किए. आईपीएल में उन्होंने अपना आखिरी मैच साल 2022 में खेला था.

चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर फूटा शाहिद अफरीदी का गुस्सा

बीसीसीआई को जमकर लताड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बीसीसीआई और पीसीबी आमने-सामने हैं, अब पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने इसे राजनीति से प्रेरित मुद्दा करार दिया है. उन्होंने चिंता जताई है कि राजनीति के कारण प्रशासकीय तौर पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को ठेस पहुंचेगी. अफरीदी ने ऐसे समय में यह सोशल मीडिया पोस्ट करके निराशा व्यक्त की है जब 29 नवंबर को आईसीसी की मीटिंग होने वाली है. इस मीटिंग में भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने और हाइब्रिड मॉडल के विषय पर चर्चा की जा सकती है.

पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, खेलों को राजनीति से जोड़कर बीसीसीआई ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अनिश्चित स्थिति में डाल दिया है. मैं हाइब्रिड मॉडल का विरोध करने के बीसीसीआई के फैसले का पूरा समर्थन करता हूं, खासतौर पर इसलिए क्योंकि बिना सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तानी टीम 5 बार भारत दौरा कर चुकी है. इनमें 26/11 हमलों के बाद व्हाइट बॉल द्विपक्षीय सीरीज भी शामिल है. अब समय आ गया है जब आईसीसी और उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स निष्पक्षता बनाए रखकर अपना अधिकार दिखाएं.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पहले ही टीम इंडिया के मैचों को यूएई या किसी अन्य देश में करवाए जाने का विरोध कर चुका है. मगर भारत के रुख से आईसीसी भी संकट की स्थिति में फंसा हुआ है क्योंकि शेड्यूल में हो रही देरी के कारण ब्रॉडकास्टर्स अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पर दबाव बनाने लगे हैं.

फिलहाल के लिए हाइब्रिड मॉडल ही सबसे बेहतर विकल्प नजर आता है, लेकिन पीसीबी का रुख भी आईसीसी के लिए बहुत बढ़ी चिंता का विषय बना हुआ है.

यह तक कहा जा चुका है कि यदि किसी भी तरीके से हाइब्रिड मॉडल को लागू करने का प्रयास किया गया तो पाकिस्तान टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लेगा. दूसरी ओर टीम इंडिया के चैंपियंस ट्रॉफी में ना होने से आईसीसी, ब्रॉडकास्टर्स और यहां तक कि खुद पीसीबी को भी भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है.

डोप टेस्ट में विफल स्वियातेक पर एक महीने का निलंबन

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय टेनिस की इंटीग्रिटी यूनिट ने उनका यह स्पष्टीकरण स्वीकार कर लिया था कि उन्होंने दवा के तौर पर इसका गैर-इरादतन सेवन किया था।

यह टेनिस में हाल में डोप टेस्ट विफल होने का दूसरा बड़ा मामला है। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक को प्रतिबंधित दवा सेवन के चलते एक महीने के लिए निलंबित किया गया है और उन्होंने यह सजा स्वीकार कर ली है। पोलैंड की 23 साल की स्वियातेक इस समय दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी हैं।

अगस्त में प्रतियोगिता से इतर हुए डोप टेस्ट में वह विफल हो गई थी। अंतरराष्ट्रीय टेनिस की इंटीग्रिटी यूनिट ने उनका यह स्पष्टीकरण स्वीकार कर लिया था कि उन्होंने दवा के तौर पर इसका गैर-इरादतन सेवन किया था। यह टेनिस में हाल में डोप टेस्ट विफल होने का दूसरा बड़ा मामला है। इससे पहले पुरुषों में दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर मार्च में एक स्टेरायड के चलते दो टेस्ट में फेल हो गए। यह यूएस ओपन से पहले का मामला है।

पीवी सिंधू उलटफेर का शिकार होने से बचीं, लक्ष्य भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

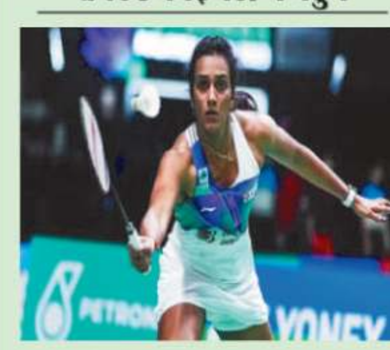

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने गुरुवार को हमवतन ईरा शर्मा के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने से बचीं और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं।दूसरी ओर, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।

पर्थ में विराट के शतक पर बोले एलेन बॉर्डर

कोहली को ऑस्ट्रेलिया फॉर्म मे लौटने का मौका दिया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर ने पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान विराट कोहली के बल्ले पर अंकुश लगाने में उनकी टीम की असमर्थता पर निराशा जताते हुए कहा कि इससे मेजबान को पांच मैचों की श्रृंखला गंवानी पड़ सकती है। पिछले डेढ साल में एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा सके कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में फॉर्म में लौटे और नाबाद 100 रन बनाए।

भारत ने वह टेस्ट 295 रन से जीता। बॉर्डर ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने कोहली को शतक बनाने दिया, मैं बहुत निराश हूं। हम नहीं चाहते कि पूरी श्रृंखला में वह (कोहली) इस तरह आत्मविश्वास के साथ खेले। बॉर्डर ने कप्तान पैट कमिंस की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में जूझते नजर आए कोहली को उन्होंने फॉर्म मे लौटने का मौका दिया।

पूर्व सलामी बल्लेबाजी मैथ्यू हेडन ने भी कमिंस की आलोचना की। हेडन ने चैनल 7 से कहा, 'विराट कोहली को उसकी पारी की शुरूआत में ही आउट करना चाहिए था।

फ ी ल ड प्लेसमेंट ऐसे थे कि उसने आसानी से रन बनाए जबकि वह इससे पहले दबाव में था। उन्होंने कहा कि शॉर्ट गेंद डालने में भी ऑस्ट्रेलिया ने देर की। उन्होंने कहा, 'जायसवाल शॉर्ट गेंद नहीं खेल पा रहा था। शायद पैट कमिंस को ऐसी गेंदों का प्रयोग पहले करना चाहिए था। पहली पारी में खराब प्रदर्शन से भारतीय टीम दबाव में थी लेकिन अब वह खुलकर खेल रही है।

राहुल को जायसवाल के साथ ओपनिंग जारी रखनी चाहिए, रोहित तीसरे नंबर पर आ सकते हैंः पुजारा

कैनबरा, एजेंसी। चेतेश्वर पुजारा चाहते हैं कि कप्तान रोहित शर्मा के आने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में केएल राहुल यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करें। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में रोहित की अनुपस्थिति के कारण भारत को राहुल को मध्य क्रम से शीर्ष क्रम में लाना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर भारतीय बल्लेबाजी की नींव रखने वाले पुजारा का मानना ??है कि सीरीज के पहले मैच में 295 रन की जीत के बाद ओपनिंग संयोजन में बदलाव नहीं किया जाना चाहिए।

जायसवाल ने यादगार शतक बनाया जबकि राहुल ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए पर्थ में दो पारियों में 26 और 77 रन बनाए। एक रिपोर्ट पुजारा ने कहा, %मुझे लगता है कि अगर हम इसी बल्लेबाजी क्रम को जारी रख सकते हैं, जैसे केएल और यशस्वी ओपनिंग करते हैं, तो रोहित तीसरे नंबर पर आ सकते हैं और शुभमन पांचवें नंबर पर आ सकते हैं। अगर रोहित ओपनिंग करना चाहते हैं, तो केएल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उसके बाद कुछ नहीं। मुझे लगता है कि उन्हें शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करनी चाहिए, क्योंकि यह उनके खेल के लिए बहुत अच्छा है। मुझे उम्मीद है कि

हम इसमें कोई छेड़छाड़ नहीं करेंगे। अंगूठे की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहने वाले गिल के 6 दिसंबर से शुरू होने वाले डे-नाइट टेस्ट में भी प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की उम्मीद है। पुजारा ने कहा, आदर्श रूप से नंबर 5 (गिल के लिए)। क्योंकि इससे उन्हें एक समय में आने का मौका मिलता है, भले ही हम दो विकेट जल्दी खो दें, वह ऐसा खिलाड़ी है जो नई गेंद से निपट सकता है। लेकिन अगर वह 25 या 30 ओवर के बाद आता है, तो वह अपने शॉट खेल सकता है।

वह अपना स्वाभाविक खेल खेल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम पहले तीन विकेट जल्दी खो देते हैं, तो गिल आता है और पुरानी गेंद के लिए ऋषभ पंत को बचाता है। पंत को नई गेंद का सामना नहीं करना पड़ता है। पुजारा ने कहा, मैं नहीं चाहूंगा कि वह तब बल्लेबाजी के लिए आए जब गेंद सख्त और नई हो। गौर हो कि गिल ने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की शुरुआत की थी, लेकिन अब वह तीसरे नंबर पर आ गए हैं। भारत एडिलेड में गुलाबी गेंद से होने वाले टेस्ट से पहले कैनबरा में दो दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगा।

पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी:

अरिजीत के गोल ने भारत को जापान पर 3-2 से जीत दिलाई

मस्कट (ओमान), एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार को मस्कट, ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अपने दूसरे मैच में जापान के खिलाफ कड़ी टक्कर देते हुए 3-2 से जीत दर्ज की, जिसने दो बार गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की।

थोकचोम किंगसन सिंह (12) ने भारत के लिए खाता खोला, लेकिन जापान के नियो सातो (15, 38) ने जल्द ही गोल करके बराबरी हासिल कर ली। दूसरे हाफ में दोनों टीमों के बीच पेनल्टी कॉर्नर पर जोर-आजमाइश हुई। रोहित (36) ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन नियो सातो ने फिर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। अरिजीत सिंह हुंदल (39) ने तीसरे क्वार्टर के अंत में फिर से भारत के लिए

बढ़त हासिल की और भारत ने एक गोल की बढ़त को बरकरार रखते हुए अपनी जीत सुनिश्चित की। दोनों टीमें शुरुआती सीटी से ही क्षेत्र के लिए आगे-पीछे की लड़ाई में लगी रहीं, जिसके कारण खेल के तीन मिनट बाद जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला। बिक्रमजीत सिंह सतर्क रहे और अपने गोल पर किसी भी तरह के खतरे को टालते रहे। जापान द्वारा हाई प्रेस का इस्तेमाल करने के बावजूद, भारत ने चतुर हवाई गेंदों और शानदार कौशल से इसे आसानी से पार कर लिया।

दोनों टीमों ने सार्थक कब्जे के लिए संघर्ष किया और दिलराज सिंह ने पहले क्वार्टर में तीन मिनट शेष रहते भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। थोकचोम किंगसन सिंह ने कॉर्नर से एक भटकी हुई गेंद को उठाया और कम और शक्तिशाली रिवर्स शॉट के साथ भारत को बढ़त दिलाई। हालांकि, अंतिम मिनट में जापान ने अपना खुद का पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और नियो सातो ने भारतीय डिफेंस को पीछे छोड़ते हुए ड्रैग फ्लिक के साथ बराबरी हासिल की। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में, भारत ने मनमीत सिंह के साथ दो मिनट के भीतर दो बार गोलकीपर को चुनौती देकर बढ़त हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि, किशो कुरोदा दोनों मौकों पर काम करने में सक्षम थे। उन्होंने एक-दूसरे पर वार किए लेकिन कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला, जब तक कि क्वार्टर में छह मिनट शेष रहते जापान को पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिल गया। भारत के पहले रशर रोहित ने जापान को इस अवसर का फायदा न उठाने देने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। क्वार्टर में दो मिनट बचे होने पर जापानी फॉरवर्ड ने दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए।

संक्षिप्त समाचार

कैमरून में नाव पलटने से 20 लोगों की मौत

याउंडे, एजेंसी। प्रत्यक्षदर्शियों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में एक नाव के पलट जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि नाव गुरुवार को उस समय पलट गई, जब वह क्षेत्र के लोगोन-एट-चारी डिवीजन में दाराक द्वीप से यात्रियों को ले जा रही थी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि और अधिक लोगों के हताहत होने की आशंका है, क्योंकि बचावकर्मी और अधिक पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच चल रही है इसलिए अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। इस क्षेत्र में नाव दुर्घटनाएं आम हैं, जो अक्सर ओवरलोडिंग, गलत तरीके से संचालन और खराब मौसम के कारण होती हैं। कैमरून मध्य और पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश है। जो गिनी की खाड़ी के किनारे बसा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले से तिलमिलाए बाइडन, बोले- कीव की तुरंत मदद करने की जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अब कुछ ही दिन का समय बचा है और यही वजह है कि वे यूक्रेन को लेकर परेशान हैं। खासकर रूस ने यूक्रेन पर जो ताबड़तोड़ हमले किए हैं, उसके बाद तो बाइडन तिलमिला गए हैं।

जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि रूस के यूक्रेन पर ताजा हमले बताते हैं कि हमें यूक्रेन की तुरंत मदद करने की जरूरत है। दरअसल जो बाइडन को चिंता है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को मदद देनी बंद कर दी, तो इससे यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। बाइडन की चिंता जायज भी है क्योंकि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद की समीक्षा करेंगे। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर बड़ा हमला करते हुए करीब 200 मिसाइलें दागीं। रूसी हमले में यूक्रेन के पावर ग्रिड को भारी नुकसान हुआ है, जिसकी वजह से लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को बाइडन ने कहा कि इस दिन मेरा यूक्रेन के लोगों को संदेश साफ है, अमेरिका आपके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि फरवरी 2022 के बाद से अब तक अमेरिका रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को 60 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद दे चुका है। वहीं जनवरी में अमेरिका के नए राष्ट्रपति बनने जा रहे ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने का वादा किया है। यूक्रेन को भी डर है कि ट्रंप उसकी वित्तीय मदद रोक सकते हैं या फिर कम कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप-राजदूत ने भी बुधवार को एक बयान में यही बात कही कि ट्रंप, यूक्रेन की मदद रोक देंगे, जो यूक्रेन की सेना के लिए मृत्युदंड जैसा होगा। जो बाइडन भी ये जानते हैं तभी बीते दिनों उन्होंने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में बड़ा फैसला करते हुए यूक्रेन को रूस के भीतरी इलाकों में लंबी दूरी की मिसाइलों के हमले की मंजूरी दे दी थी। जिसके चलते रूस ने अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को धमकी देते हुए कहा था कि इसके गंभीर परिणाम होंगे।

बलूचिस्तान असेंबली में पीटीआई को बैन करने का प्रस्ताव पास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी में इमरान खान के समर्थकों के उग्र प्रदर्शन से घबराई सरकार ने सेना उतार दी थी। इन विरोध प्रदर्शनों में 10 लोगों की जान चली गई। इसी बीच बलूचिस्तान विधानसभा में गुरुवार को इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बैन करने का प्रस्ताव पास किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया को सत्ताधारी पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने बताया कि इस प्रस्ताव के दौरान विपक्षियों ने वॉकआउट कर दिया। उन्होंने कहा कि अब भी पार्टी के लिए बातचीत का रास्ता खुला हुआ है। बता दें कि इमरान खान के समर्थक इस्लामाबाद में बड़ा विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान 6 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। इसके बाद सेना को भी इस प्रदर्शन को कुचलने की छूट दे दी गई। फायरिंग में भी कई लोगों की मौत की सूचना है। बताया जाता है कि इस प्रदर्शन की बागडोर इमरान खान की पत्नी बूशरा बीबी के हाथ में थी। इमरान खान खुद इस समय जेल में हैं। बलूचिस्तान के मंत्री मीर सलीम अहमद खोसा ने पाटीआई को बैन करने का प्रस्ताव सदन में रखा था। उन्होंने कहा था कि पीटीआई के ही लोगों ने 9 मई 2023 को हिंसा फैला दी थी। उन्होंने कहा कि पीटीआई जिस तरह की सोच रखती है उससे हमारे देश का मीडिया, अर्थव्यवस्था और न्यायपालिका सब प्रभालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा के संसधाधनों का भी इस्तेमाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में किया जा रहा है। वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफके सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि यह प्रांत के स्तर का फैसला है। इसको लेकर कैबिनेट में भी बातचीत हुई थी लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। खैबर पख्तूनख्वा में राज्यपाल शासन लगाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह कठिन काम है। हालांकि सहमति बनाने के बाद यह भी एक विकल्प है। सनाउल्लाह ने कहा कि अगर पीटीआई से बातचीत की जाती है और बार-बार हमारा अपमान होता है।

सीरिया में नहीं थम रहा संघर्ष, अलेप्पो में 200 से अधिक की मौत; विद्रोहियों ने प्रमुख राजमार्ग को काटा

दमिश्क, एजेंसी। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे भीषण लड़ाई शुरू हो गई। अलेप्पो के बाहरी इलाके पर कब्जे को लेकर सीरियाई सरकार और विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। रूसी लड़ाकू विमान सीरियाई सेना के साथ मिलकर विद्रोहियों के कब्जे वाले अलेप्पो के पूर्वी इलाके में लगातार हवाई हमले कर रहे हैं। इस बीच, जिहादी लड़ाकों ने गुरुवार को दमिश्क से अलेप्पो तक जाने वाले राजमार्ग को काट दिया। इस आक्रामक अभियान के दौरान करीब 200 लोग मारे गए हैं। एक निगरानीकर्ता का कहना है कि जिन लोगों की जान गई है उनमें रूसी वायु सेना के हमलों में मारे गए नागरिक भी शामिल हैं।

जिहादियों ने अचानक किया हमला : सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे तनाव के बीच सबसे भीषण लड़ाई शुरू हो गई।

अब तक 182 की मौत : निगरानीकर्ता ने कहा कि चल रही लड़ाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर 182 हो गई है, जिसमें एचटीएस के 102 लड़ाके, सहयोगी गुटों के 19 और 61 शासन बलों और संबद्ध समूहों के लड़ाके शामिल हैं।

रूसी हमले में इतने लोगों की गई जान : निगरानी संस्था के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने कहा, अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में गुरुवार को रूसी हवाई हमलों में 19 नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले सीरियाई सेना की गोलाबारी में एक अन्य नागरिक की मौत हो गई थी।

सीरियाई राष्ट्रपति का करीबी सहयोगी है रूस : रूस सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद का करीबी सहयोगी है और उसने 2015 में पहली बार सीरिया के गृहयुद्ध में हस्तक्षेप किया था, जिससे संघर्ष का रुख राष्ट्रपति के पक्ष में हो गया, जिनकी सेनाएं कभी देश के केवल पांचवें हिस्से पर नियंत्रण रखती थीं।

इन मार्गों को किया प्रभावित : ब्रिटेन स्थित निगरानी संस्था ने कहा कि एचटीएस और उसके सहयोगी गुटों, जिनमें पड़ोसी तुर्की द्वारा समर्थित समूह भी शामिल हैं, ने दमिश्क-अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय एम5 राजमार्ग को काट दिया। इसके अलावा एम4 और एम5 राजमार्गों के बीच जंक्शन को भी नियंत्रित कर लिया है। सीरिया के अंदर सूत्रों का नेटवर्क रखने वाली निगरानी संस्था ने कहा, वर्षों पहले शासन बलों द्वारा फिर से खोले जाने के बाद राजमार्ग को अब सेवा से बाहर कर दिया गया है। एम5 और एम4 राजमार्गों का जंक्शन राजधानी और शासन के तटीय गढ़ लताकिया को क्रमशः दूसरे शहर अलेप्पो से जोड़ता है।

14 हजाप से अधिक लोग हुए विस्थापित : मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि हिंसा के कारण 14,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं जिनमें से लगभग आधे बच्चे हैं। सीरिया एक दशक से अधिक समय से गृह युद्ध की चपेट में है, हालांकि हाल के वर्षों में संघर्ष की तीव्रता में कमी आई है।

46 मिलिट्री बेस पर कब्जे का दावा : सीरिया के विद्रोही गुटों ने टेलीग्राम पर दावा किया है कि उन्होंने सीरियाई सरकार के 46 सैन्य अड्डों को कब्जे में ले लिया है। वे सिर्फ 10 घंटों के भीतर अलेप्पो शहर के कई गांव पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। हालांकि सीरियाई सरकार ने इन दावों पर कुछ नहीं कहा है। 2020 में तुर्किये की मदद से विद्रोहियों और असद सरकार के बीच एक समझौता कराया गया था, जिससे वहां बड़े हमलों में कमी आई थी। 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हुई थी। साल 2000 से सीरिया के सत्ता में काबिज बशर अल असद की तानाशाही सरकार के खिलाफ लोकतंत्र समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। इसके बाद एक फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सउदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच यहां आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी अपने पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छुटपुट झड़प ही हुई हैं।

नहीं थम रहीं शेख हसीना की मुश्किलें; आईसीसी में मुकदमा चलाना चाहता है बांग्लादेश, यूनुस ने दिए संकेत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनके सामने और मुसीबत बढ़ सकती हैं। दरअसल, ढाका ने अपदस्थ हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुकदमा चलाने की मांग की है, जबकि वह मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में घरेलू न्यायाधिकरण में मुकदमे का सामना कर रही हैं।

आईसीसी के अभियोजक से की मुलाकात : यह जानकारी देश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को दी। उनकी प्रेस शाखा के एक अधिकारी ने कहा, मुख्य सलाहकार यूनुस ने हसीना के खिलाफ मुकदमे के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के अभियोजक करीम ए खान से चर्चा की, जिन्होंने जमुना स्थित उनके आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की।

पहले से ही दर्जनों मामले : बंग्लादेश में सरकारी नौकरी में आरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद हसीना पांच अगस्त को भारत चली गई थीं। तीन दिन बाद ही नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के तौर पर कार्यभार संभाला था। सत्ता छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दर्जनों केस दर्ज किए हैं, जिनमें मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप भी शामिल है। हसीना के अलावा उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्यों के खिलाफ भी आरोप लगाए गए हैं।

इन पर चर्चा की : मोहम्मद यूनुस और करीम खान के बीच बुधवार को बैठक हुई। इस दौरान अंतरिम सरकार ने इस बात की जानकारी दी कि बांग्लादेश हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ आरोपों को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है। हसीना पर इल्जाम है कि उनके साशन काल में बड़े पैमाने पर विद्रोह और नरसंहार हुए। दोनों ने रोहिंग्या संकट और उनके लिए मानवीय सहायता के साथ-साथ म्यांमार के मिलिटरी प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग के खिलाफ गिरफ्तारी के लिए औपचारिक वारंट का अनुरोध पर भी चर्चा की।

पिछले महीने मानवीय चूक के कारण डूबा था न्यूजीलैंड नौसेना का जहाज, जांच में खुलासा

वेलिंगटन, एजेंसी। पिछले महीने समोआ के तट पर रॉयल न्यूजीलैंड नौसेना का एक जहाज फंसने के बाद डूब गया था। हालांकि, जहाज पर सवार 75 यात्री और चालक दल सुरक्षित बचा लिए गए थे। अब एक जांच में खुलासा हुआ है कि नौसेना का एक जहाज मानवीय भूल के कारण फंस गया था। नौसेना का विशेषज्ञ गोताखोर और हाइड्रोग्राफिक जहाज एचएमएनजेडएस मनावानुई पांच अक्तूबर को सर्वेक्षण कार्य करते समय समोआ के दक्षिणी किनारे पर एक चट्टान पर फंस गया था। न्यूजीलैंड की नौसेना के प्रमुख रियर एडमिरल गेविन गोल्डिंग ने शुक्रवार को बताया, जमीन पर फंसने का सीधा कारण मानवीय भूल है, जिसका मतलब है कि जहाज का ऑटोपायलट उस समय बंद नहीं हुआ जब उसे बंद होना चाहिए था। चालक दल को एहसास नहीं हुआ कि जहाज ऑटोपायलट में था और परिणामस्वरूप सोचा कि दिशा परिवर्तन का जवाब देने में इसकी नाकामयाबी थ्रस्टर नियंत्रण विफलता का परिणाम थी। गोल्डिंग ने कहा कि चालक दल द्वारा गलती को नोटिस न करने के कारणों का पता एक व्यापक जांच का हिस्सा होगा, जिसे अगले साल की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है।

ईरान की धमकी- शिकंजा कसा तो परमाणु हथियार पर बैन हटाएंगे; नेतन्याहू बोले- रोकने के लिए कुछ भी करेंगे

तेहरान/यरुशलम, एजेंसी। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और हिजबुल्ला ने शुरुआती दो महीने के लिए युद्ध विराम कर लिया है।इस बीच, ईरान और इस्राइल के बीच तनातनी दिख रही। एक तरफ तेहरान धमकी दे रहा है कि अगर पश्चिमी देशों ने उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो वह परमाणु हथियार हासिल करने पर लगे प्रतिबंध को खत्म कर सकता है। वहीं, इस पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी साफ-साफ कह दिया कि वह ईरान को रोकने के लिए सब कुछ करेंगे।

इन तीन देशों के साथ करने वाला चर्चा : ईरान शुक्रवार को अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी से मिलने वाला है। इसके पीछे का कारण यह है कि तीनों देशों की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था द्वारा तेहरान की निंदा करवाने के लिए अमेरिका के साथ हाथ मिला लिया है।

ट्रंप के सत्ता से पहले बातचीत का संकेत : पिछले सप्ताह की फटकार के बाद तेहरान ने एक विद्रोही प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। मगर, उसके अधिकारियों ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने से पहले दूसरों के साथ बातचीत करने की इच्छा का संकेत दिया है। ईरान शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के अपने अधिकार पर जोर देता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, यह एकमात्र गैर-परमाणु-हथियार वाला देश है, जो 60 प्रतिशत तक यूरेनियम को समृद्ध कर रहा है।

तेहरान में हताशा बहस को दे रही हवा : ईरान के शीर्ष राजनयिक ने इस मामले पर बात करने से पहले गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा कि अगर पश्चिमी देशों ने उन पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो ईरान परमाणु हथियार हासिल करने पर लगा प्रतिबंध समाप्त कर सकता है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि प्रतिबंध हटाने जैसी प्रतिबद्धताओं को पूरा न किए जाने पर तेहरान में हताशा इस बहस को हवा दे रही है कि क्या देश को अपनी परमाणु नीति में बदलाव करना चाहिए। हमारा अभी ऐसा कोई इरादा नहीं उन्होंने ब्रिटेन के एक अखबार से कहा, फिलहाल हमारा 60 प्रतिशत से आगे जाने का कोई इरादा नहीं है और अभी हमारा यही दृढ़ संकल्प है। मगर, ईरान में और अधिकतर अभिजात वर्ग के बीच यह बहस चल रही है कि क्या हमें अपने परमाणु सिद्धांत को बदलना चाहिए क्योंकि अब तक यह व्यवहार में नहीं दिखा है। तेहरान और प्रमुख शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते का उद्देश्य ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के बदले में पश्चिमी प्रतिबंधों से राहत देना था ताकि वह हथियार क्षमता विकसित करने से रोक सके। तेहरान ने लगातार परमाणु हथियार बनाने के किसी भी इरादे से इनकार किया है। ईरान को रोकने के लिए सबकुछ करेंगे इस बीच, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए इस्राइल सब कुछ करेगा। उन्होंने कहा, मैं इसे परमाणु (शक्ति) बनने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा, मैं सभी संसाधनों का उपयोग करूंगा। इस्राइल इस क्षेत्र का एकमात्र भले ही अघोषित परमाणु-सशस्त्र राज्य है।

इंग्लैंड और वेल्स ला रहा है मरने के अधिकार को लेकर नया बिल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स में एक नया बिल काफी चर्चा में है। यह बिल मरने के अधिकार को लेकर है। यह बिल यहां की संसद सदस्य किम लीडबीटर लेकर लेकर आ रही हैं। प्रस्तावित बिल के मुताबिक ऐसे बुजुर्ग, जिनके छह महीने के अंदर मर जाने की संभावना है, वह इसका लाभ ले सकेंगे। हालांकि इसका इस्तेमाल करने के लिए उन्हें खुद फैसला लेना होगा और इसके लिए उनका मानसिक तौर पर स्वस्थ होना भी जरूरी होगा। हालांकि इस बिल को लेकर अब वहां पर बहस छिड़ गई है। तमाम लोगों का कहना है कि इसका दुरुपयोग होने की संभावना काफी ज्यादा है।

कैसे करेगा काम : मरने के अधिकार पर कानून बनने के बाद इसके लिए खास प्रॉसेस होगा। इसके तहत मरने के इच्छुक व्यक्ति को दो अलग घोषणापत्र बनाने होंगे। यह घोषणापत्र गवाहों की मौजूदगी में बनेंगे और इस पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर भी होंगे। इसके अलावा दो स्वतंत्र डॉक्टर इस बात की पुष्टि करेंगे कि मरने का इच्छुक व्यक्ति वास्तव में इस हालत में है कि उसे इसकी इजाजत दी जा सकती है। अगर जरूरत पड़ी तो यह डॉक्टर एक्सपर्ट की राय भी ले सकेंगे। इसके बाद एक हाई कोर्ट जज इनमें से कम से कम एक डॉक्टर से बात करेगा और अगर उसे लगता है तो मरने के इच्छुक व्यक्ति से भी सवाल करेगा। इस पूरी प्रक्रिया में 7 से 14 दिन लग सकते हैं। अगर किसी की मृत्यु नजदीक है उसके लिए यह समय 48 घंटे तय किया गया है।

अगर किसी ने दबाव बनाया तो : इस मामले में अगर कोई मरने वाले व्यक्ति पर दबाव बनाने का दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त प्रावधान हैं। ऐसा होने पर उस व्यक्ति को 14 साल तक की जेल हो सकती है। यह बात डॉक्टर तय करेंगे कि जिस व्यक्ति ने मरने की इच्छा जताई है क्या वास्तव में उसकी हालत ऐसी है कि वह छह महीने से अधिक जिंदा नहीं रह सकता है। अगर उसे किसी तरह के इलाज की जरूरत है तो डॉक्टर इसकी भी सलाह दे सकते हैं।

कौन करेगा निगरानी : सांसद किम लीडबीटर के मुताबिक इंग्लैंड एंड वेल्स के चीफ मेडिकल ऑफिसर्स और हेल्थ सेक्रेट्री इस कानून की निगरानी करने के अधिकारी होंगे। बता दें कि पहले भी यहां पर मरने के अधिकार संबंधी विधेयक पेश हो चुके हैं। साल 2015 में भी ऐसे ही एक कानून की चर्चा छिड़ी थी। तब असिस्टेड डाइंग बिल हाउस ऑफ कॉमंस में पेश किया गया था, लेकिन सांसदों ने इसे रिजेक्ट कर दिया। 2021-22 में ऐसा एक बिल हाउस ऑफ लॉर्ड्स तक पहुंचा था। वहीं, जुलाई 2022 और अप्रैल 2024 में भी मरने के अधिकार संबंधी बिल पर चर्चा हो चुकी है।

अपनी शक्ति किसी को न छीनने दें : कमला हैरिस का समर्थकों को संदेश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने समर्थकों से कहा कि उन्हें अपनी ताकत की रक्षा करनी होगी। अपनी हार स्वीकारने वाली स्पीच के बाद यह उनका अपने समर्थकों के लिए पहला संदेश है। हैरिस ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं आपको बस यह याद दिलाना चाहती हूं कि आप किसी को भी अपनी ताकत को छीनने की इजाजत न दें। हैरिस ने कहा, आपके पास वही शक्ति है जो 5 नवंबर से पहले थी, और आपके पास वही उद्देश्य है जो पहले था।। उन्होंने आगे कहा, इसलिए कभी भी किसी व्यक्ति या हालात को इस ताकत को आपसे छीनने न दें।

चुनावी हार के बाद से हैरिस ने सार्वजनिक आयोजनों से दूर रही हैं। हार के बाद वह हवाई में छुट्टियां मनाने चली गईं और सोमवार को अपने गृह निवास सैन फ्रांसिस्को लौट आईं। डेमोक्रेटिक पार्टी, ने मंगलवार को एक्स और टिकटॉक पर 29 सेकंड का उनका वीडियो संदेश जारी किया। हालांकि यह नहीं बताया कि यह कब और कहां रिकॉर्ड किया गया। बीडियो में बोलते समय कमला हैरिस बेहद भावुक नजर आ रही थी। वह अपनी बात पर जोर देने के लिए हाथों से इशारे भी कर रही थीं।

इससे पहले 6 नवंबर को अपने भाषण में, हार स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा, मैं ऐसे भविष्य के लिए लड़ाई कभी नहीं छोड़ूंगी जहां अमेरिकी अपने सपनों, महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सकें। कमला हैरिस के राजनीतिक भविष्य को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। एक संभावना यह जताई जा रही है कि वह 2026 में कैलिफोर्निया के गवर्नर पद का चुनाव लड़ सकती हैं और गैविन न्यूसम की जगह ले सकती हैं।

न्यूसम का दूसरा कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है और वह राज्य के कानून के तहत तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। हालांकि वह इससे उच्च पद पर रह चुकी हैं, लेकिन सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे अमीर राज्य के गवर्नर के पास उपराष्ट्रपति की तुलना में वास्तविक रूप से कहीं अधिक शक्तियां होती हैं। न्यूसम खुद 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं।

दूसरी संभावना यह है कि हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव लड़ें, हालांकि उनके खिलाफ दो बातें जाती हैं। 2020 में नामांकन के लिए पार्टी प्राइमरी से बाहर हो गई थीं और इस साल, उन्हें बिना किसी प्रतियोगिता के नामांकन मिला, लेकिन वह डोनाल्ड ट्रंप से हार गईं।

पुतिन बोले- ट्रम्प अभी भी सुरक्षित नहीं:अमेरिका में पहले भी बड़े नेताओं की हत्या हुई, वे होशियार नेता, उम्मीद है अलर्ट होंगे

अस्ताना, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। सीएनएन के मुताबिक पुतिन ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतकर ट्रम्प ने एक बड़ी परीक्षा पास कर ली है, लेकिन अभी भी वे सुरक्षित नहीं हैं। पुतिन ने कहा- ट्रम्प को रोकने के लिए कई गलत तरीके इस्तेमाल हुए। दो बार जानलेवा हमला भी हुआ। अभी भी उन्हें सतर्क रहना होगा। अमेरिकी इतिहास में ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। कई बड़े नेताओं की हत्या हुई। उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझते होंगे। गौरतलब है कि ट्रम्प जुलाई में पेंसिल्वेनिया में भाषण दे रहे थे तब उन पर जानलेवा हमला हुआ था। इसमें वे मामूली तौर पर घायल हुए थे। इसके बाद सितंबर में फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में एक एक शख्स ने उनकी जान लेने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम हो गया। पुतिन ने यह भी कहा कि ट्रम्प के परिवार और उनके बच्चों के खिलाफ कई बातें कही गईं। रूस में ऐसा नहीं होता है। यहां बुरे लोग भी परिवार को बीच में नहीं लाते। पुतिन कजाकिस्तान में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पुतिन यहां एक डिफेंस समिट में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। पुतिन बोले- ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ा रहे बाइडेन पुतिन ने यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों का रूस में इस्तेमाल करने की अनुमति देने पर कहा- बाइडेन प्रशासन जानबूझकर ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि ट्रम्प एक 'होशियार राजनेता' हैं जो जंग खत्म करने के लिए कोई न कोई समाधान ढूंढ़ लेंगे। हम भी ट्रम्प से बातचीत के लिए तैयार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बाइडेन के फैसले से क्या रूस-अमेरिका के संबंधों पर असर पड़ेगा, पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रम्प के आने के बाद चीजें बेहतर हो सकती हैं। ट्रम्प चुनावी प्रचार के दौरान कई बार यूक्रेन जंग को 24 घंटे में खत्म करने का दावा कर चुके हैं। हालांकि वे इसे कैसे खत्म करेंगे, यह नहीं बताया है। पुतिन ने यूक्रेन पर और ज्यादा 'ओरेश्निक' मिसाइलों से हमला करने की धमकी दी। रूस ने पहली बार 21 नवंबर को यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक से हमला किया था।

पुतिन ने कीव पर और हमला करने की धमकी दी रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर करीब 200 मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। इस पर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की ओर से रूस में लंबी दूरी की एटीएसीएमएस मिसाइलों से किए गए हमले के जवाब में यह हमला किया गया है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि कीव में और हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि रूस पहले हमला नहीं करता।

यूक्रेन में 10 लाख लोग बिना बिजली 0 डिग्री तापमान में रहने को मजबूर रूस के हमले के बाद यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशेंको ने कहा कि देश में ऊर्जा के लगभग सारे साधन ठप पड़ गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन में लगभग 10 लाख लोगों को 0 डिग्री तापमान में बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी।

हालुशेंको ने कहा कि, यूक्रेन में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक हो रहे हैं, इस वजह से नेशनल पावर ग्रिड के ऑपरेटर ने इमरजेंसी बिजली कटौती शुरू कर दी है। कीव, ओडेसा, निप्रो और डोनेट्स्क में बिजली सप्लाई में मुश्किल हो रही है। रूस ने फरवरी 2022 के बाद से कई बार यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है, इस वजह से बार-बार देश भर में इमरजेंसी बिजली कटौती और रोलिंग ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हुई है। यूक्रेन के मुताबिक सिर्फ इस साल रूस ने 11वीं बार एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, शनिवार 30 नवम्बर 2024

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा मंदिर में भगवान बसामन मामा के दर्शन किये। उन्होंने बसामन मामा की पूजा अर्चना एवं आरती कर जिले एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की प्रार्थना की।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करें : उप मुख्यमंत्री

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में सीएनजी उत्पादन का प्लांट लगाया जायेगा : शुक्ल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना निर्माण व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करायें। गौवंश वन्य विहार को आत्मनिर्भर बनाने के लिये सीएनजी प्लांट की स्थापना कराई जायेगी तथा रीवा नगर निगम के कचरा वाहन उत्पादित सीएनजी से चलेंगे। इसके साथ ही गाय के गोबर व गौमूत्र से बनने वाली सामग्री का विक्रय कर गौवंश वन्य विहार को स्वावलंबी व आर्थिक तौर पर सक्षम बनाया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में निर्मित रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया तथा प्रातः काल गौवंश के बीच सुरम्य वातावरण में भ्रमण करते हुए वन्य विहार की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये कि गौवंश के लिये पक्की सड़क में अस्थाई शेड का निर्माण करायें ताकि गौवंश के लिये पूर्व से निर्मित शेड के अतिरिक्त आश्रय की व्यवस्था हो सके। उन्होंने गौवंश वन्य विहार को पूर्णतः सोलर से उर्जीकृत करने के लिये सोलर पैनल लगाये जाने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय के गोबर से बनने वाली खाद को किसानों को समितियों के माध्यम से विक्रय कराने की व्यवस्था करायें साथ ही गोनाइल व गोबर विक्रय की व्यवस्था सुनिश्चित करें। श्री शुक्ल ने रेस्ट हाउस के सामने रिक्त भूमि को समतल कर पेवर ब्लाक लगाने तथा पक्का मंच बनाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार का संपूर्ण परिसर आकर्षक, स्वच्छ व सुरम्य बनाया जाय क्योंकि यहां प्रमुख जन का आगमन होता है और वह रेस्ट हाउस में रूकते हैं। साथ ही इसे पर्यटन विभाग द्वारा टूरिस्ट सर्किट से भी जोड़ा जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये कि मृत पशुओं के निष्पादन के लिये गौवंश वन्य विहार से बाहर स्थल सुनिश्चित किया गया है वहां निष्पादित करायें तथा बिजली से निष्पादित किये जाने वाले संयंत्र की भी स्थापना के प्रस्ताव बनाकर इसे शीघ्र स्थापित करायें। श्री शुक्ल ने कहा कि आगामी जनवरी माह में प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान पूज्य संत श्री अवधेशानंद जी, श्री मोरारी बापू तथा श्री बाबा रामदेव का भी बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में पदार्पण प्रस्तावित है अतः सभी कार्य समय से पूरे कर लिये जांय। उन्होंने प्रशासनिक भवन तथा मंदिर निर्माण का कार्य पूरा कराने के लिये निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में कार्यरत गौसेवकों से संवादकर उनकी समस्यायें जानी तथा उनके समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी गौसेवकों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की भी बात कही। उन्होंने गौसेवकों से अपेक्षा की कि वह गौवंश की सेवा में कोई कोरकसर नहीं छोड़ेंगे। उनकी सुख सुविधा व व्यवस्था का ध्यान रखा जायेगा। इस दौरान उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा ने वन्य विहार के आय-व्यय का प्रस्तुतीकरण किया।

उपयंत्री और सचिव 20 हजार रुपये लेते रंगे हांथ गिरफ्तार

लोकायुक्त रीवा की बड़ी कार्यवाही

रीवा। मऊगंज जिले में लोकायुक्त ने बड़ी कार्यवाही करते हुए रिश्वतखोर उपयंत्री और सचिव को 20 हजार का रिश्वत लेते रंगे हांथ गिरफ्तार किया है। रिश्वत मांगने की शिकायत सरपंच तरुण शुक्ला के द्वारा रीवा लोकायुक्त को की गई थी। रिश्वत काण्ड में उपयंत्री और सचिव दोनों शामिल थे। जानकारी के अनुसार आरोपीगण टीकम प्रसाद पाण्डेय सचिव एवं भोला प्रसाद पटेल उपयंत्री द्वारा सरपंच तरुण शुक्ला से ग्राम पंचायत में कराये गये कार्यो की सीसी जारी करने के एवज में 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग की गई। जिसकी शिकायत लोकायुक्त को की गई और शिकायत सही पाये जाने पर लोकायुक्त ने टीम गठित कर कार्यवाही कर दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

सीएम राइज स्कूल से शिक्षा की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

सीएम राइज स्कूल बनने के बाद बेहतर हुए 12वीं परीक्षा के परिणाम

रीवा। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की आधुनिक शिक्षा देने के लिए जिले भर में सीएम राइज स्कूल स्थापित किए गए हैं। रीवा जिले में प्रथम चरण में 12 स्कूलों को इस परियोजना में शामिल किया गया है। सीएम राइज स्कूलों का संचालन आधुनिक उत्कृष्ट स्कूलों की तरह किया जा रहा है। इनमें पठन-पाठन की सुविधाओं, भवन आदि से लेकर पाठ्यक्रम तक में सुधार किया गया है। नवीन भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद सीएम राइज स्कूल आवासीय विद्यालय की तरह विद्यार्थियों को आवास और भोजन की सुविधा देने के साथ आधुनिक शिक्षा देंगे। सीएम राइज स्कूलों में आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, ऑडिटोरियम, खेलकूद की व्यवस्था, आधुनिक क्लासरूम की व्यवस्था की जा रही है। इस संबंध में संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी ने बताया कि सीएम राइज स्कूलों में चुने हुए शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। नई पद्धति से पढ़ाई करने के बाद सीएम राइज स्कूलों में कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में 3 स्कूलों को छोड़कर शेष 9 स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर हुए हैं। कक्षा 12वीं में 2023 में शासकीय उमावि डभौरा में 67 प्रतिशत, उमावि कन्या सेमरिया में 32.6 प्रतिशत, शासकीय पीके कन्या उमावि रीवा में 74 प्रतिशत, शासकीय उमावि रघुराजगढ़ में 58.33 प्रतिशत, शासकीय उमावि ढेरा में 37.71 प्रतिशत, उत्कृष्ट उमावि सिरमौर में 37.16 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इसी तरह उत्कृष्ट उमावि मऊगंज में 48.05 प्रतिशत, उमावि बालक मनगवां में 54.1 प्रतिशत, उमावि रायपुर कर्चुलियान में 53.31 प्रतिशत, उमावि गौरी में 70 प्रतिशत, उमावि बालक देवतालाब में 26.8 प्रतिशत तथा उमावि त्योंथर में 44.9 प्रतिशत रहा।

कलेक्टर कांफ्रेंस आज, कमिश्नर राजस्व महाअभियान तथा विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में 30 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में कलेक्टर कांफ्रेंस आयोजित की गई है।

बैठक में कमिश्नर राजस्व कार्यों, पेयजल व्यवस्था तथा विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा करेंगे। बैठक में प्रातः 11 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक संवेदनशील विषयों पर कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे से दोपहर एक बजे तक राजस्व महाअभियान एवं वन व्यवस्थापन की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे से आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में पेयजल व्यवस्था, समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन, प्रधानमंत्री आवास योजना, गौशाला निर्माण, बिजली की आपूर्ति, खनिज राजस्व वसूली तथा छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की भी जिलेवार समीक्षा की जाएगी। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित रहेंगे।

रोजगार मेले से 86 युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

रीवा। मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय हनुमना में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 147 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 5 निजी कंपनियों ने इनमें से 86 युवाओं का चयन किया है। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में ग्रोफास्ट एग्रिटेक प्रा. लि. रीवा में 17, प्रगतिशील बायोटेक रीवा में 15, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा में 22, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस में 18 तथा बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. इंदौर में 14 युवाओं का चयन किया गया है। रोजगार मेले के सफल आयोजन में सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय हनुमना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वय से प्रयास किया।

राजस्व महाभियान में बटवारा के 153 प्रकरण निराकृत

रीवा। जिले भर की सभी तहसीलों में राजस्व महाभियान 3.0 चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों की सुनवाई की जा रही है। सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अपने न्यायालय में प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके उनका निराकरण कर रहे हैं। राजस्व महाभियान में 15 नवम्बर से 28 नवम्बर तक जमीन के बटवारा से संबंधित 153 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि तहसीलदार गुढ़ ने 8, तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान ने 4, नायब तहसीलदार दुआरी ने 10, तहसीलदार जवा ने 3 तथा नायब तहसीलदार अतैरला ने 2 प्रकरणों का निराकरण किया। इसी अवधि में तहसीलदार त्योंथर ने एक, नायब तहसीलदार चाकघाट 16, नायब तहसीलदार रायपुर सोनौरी ने एक, तहसीलदार मनगवां ने 18, नायब तहसीलदार गढ़ ने 5 एवं नायब तहसीलदार डेल्ही ने 3 प्रकरणों का निराकरण किया।

नायब तहसीदार सूरा ने 13, नायब तहसीलदार पहड़िया ने 5, तहसीलदार सिरमौर ने 7, नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर ने 10, नायब तहसीलदार लालगांव ने 14, तहसीलदार सेमरिया ने एक, नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ 3, नायब तहसीलदार बनकुइयाँ ने 5 तथा तहसीलदार हुजूर ने 13 प्रकरणों का निराकरण किया।

उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की जल आपूर्ति व्यवस्था के लिये स्थापित कार्य का किया शुभारंभ

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार में जल आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिये टमस नदी में मोटर से पानी पहुंचाने के कार्य का बटन दबाकर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बसामन मामा में अब निर्बाध जल आपूर्ति होगी जिससे गौवंश के लिये पानी मिलेगा तथा अन्य कार्यों के लिये भी पानी की उपलब्धता रहेगी। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि गौवंश वन्य विहार में पाइप लाइन डालकर पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि गौवंश के साथ ही सिंचाई, चारा उत्पादन व पौधों की सिंचाई आदि के लिये पर्याप्त पानी की उपलब्धता रहे। इस दौरान पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, कमिश्नर बीएस जामोद, डीआईजी एसपी पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, प्रपंज आर तथा कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, जल निगम के महाप्रबंधक चित्रांशु सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

दुआरी में जन समस्या निवारण शिविर आज

रीवा। शासन द्वारा जन समस्या के त्वरित निराकरण के लिए विकासखण्ड स्तर पर जन समस्या निवारण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में विकासखण्ड रीवा के दुआरी पंचायत में सरयू पैलेस रेलवे रोड में 30 नवम्बर को जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डा. सौरभ सोनवणे ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीवा को शिविर का नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकासखण्ड रीवा के परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई अपराध समीक्षा बैठक

रीवा। पुलिस अधीक्षकरीवा विवेक सिंह के द्वारा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों कीअपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में सी.एम. हेल्पलाइन की शिकायतो का निराकरण, व्ही.सी. एन.बी. काउचित संधारण,गुम इंसान एवंअपहृत बालक बालिकाओं की दस्तयाबी, मर्ग निकाल, चिन्हित अपराधों के निकाल, एवं जेल रिहाई, अवैध परिवहन रोकने व अवैध परिवहन पर कडी कार्यवाही करनेंके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, साथ ही प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अधिक से अधिक कार्यवाही करते हुए आरोपियों को बाउण्ड ओवर कराए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही नशे के कारोबार में संलिप्त आरोपियों के विरूद्ध निरंतर अभियान चलाकर सख्त प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए है.बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा श्री अनिल सोनकर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक लाल, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती रितु उपाध्याय, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती षिवाली चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) श्रीमती हिमाली पाठक, व जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

मऊगंज जिले में 49175 मजदूरों के बनेंगे आयुष्मान कार्ड

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत सभी मजदूरों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। मऊगंज जिले में कर्मकार कल्याण मण्डल में 49175 मजदूर पंजीकृत हैं। कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने बताया है कि इन सभी मजदूरों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग मिलकर प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर लगा रहा है। इन शिविरों में श्रमिकों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्र में नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग मिलकर शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक मिलकर पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। जिला श्रम पदाधिकारी शिविरों में मजदूरों की उपस्थिति सुनिश्चित करके उन्हें आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करें।

वार्ड वार आयोजित किया जा रहा जन समस्या निवारण शिविर

रीवा। नगर निगम द्वारा नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान एवं वार्ड विकास हेतु निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार, वार्डवार जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 29.11.2024 को नगर पालिक निगम रीवा के जोन क्र. 04 वार्ड 26 प्रधानमंत्री आवास योजना परिसर ललपा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों को आयुष्मान कार्ड, पेंशन, राष्ट्रीय योजनाओं के लाभ, और स्थानीय शिकायतों का समाधान प्रदान किया जा रहा है। शिविर में निगमायुक्त ने उपस्थित होकर लोगों की समस्यायें जानी और लोगो की मांग व समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आयुक्त ने सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत प्राप्त लंबित शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए शिविर स्थल पर निरीक्षण किया। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन पर बात की और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया। साथ ही अन्य शिकायतों का तत्काल निराकरण कराये जाने के निर्देश दिए। शिविर में वार्ड स्थित पीएम आवास परिसर से प्राप्त सेप्टिक टैंक की सफाई संबंधी शिकायतों पर निगम आयुक्त ने नियमित अंतराल पर सफाई करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, पीएम आवास में अधिक पानी के अपव्यय और अव्यवस्थाओं को लेकर सख्ती दिखाते हुए आवास निरस्तगी के नोटिस जारी करने के आदेश भी दिए। वार्ड की समुचित जानकारी उपलब्ध न कराये जाने पर एवं अवैध कालोनियों एवं कम्पाउडिंग पर ठोस कार्यवाही न किये जाने पर जोनल अधिकारी एवं सहायक यंत्री, उपयंत्री के ऊपर नाराजगी व्यक्त करते हुये लिखित स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

इसके बाद निगमायुक्त ने वार्ड का भ्रमण कर निरीक्षण किया और विकास कार्यों एवं प्रस्तावित कायाकल्प मार्ग का जायजा लिया। सफाई व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुये निगमायुक्त ने निर्देश दिया कि जो सफाई कर्मी वार्ड नही पहुँचते एवं सफाई कार्य में लापरवाही बरतते है उन्हें तत्काल हटाया जाय। वार्ड में प्रस्तावित निर्माण कार्यो के कार्यादेश जारी हो चुके है परंतु संविदाकार द्वारा कार्य प्रारंभ नही किया जा रहा है ऐसे संविदाकारों को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए। साथ ही नेत्रहीन विद्यालय के निर्माण कार्य का जायजा लिया एवं आवश्यक व्यवस्था बनाये जाने के निर्देश दिये गये। इस दौरान कार्यपालन यंत्री श्री एचके त्रिपाठी, उपायुक्त श्री दीपक पटेल, सहायक आयुक्त श्रीमती रूपाली द्विवेदी, सहायक यंत्री श्री संतोष पाण्डेय एवं सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। शहर के नागरिकों से अनुरोध है कि वे इन शिविरों में भाग लें और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें। इस कड़ी में दिनांक 02.12.2024 को जोन क्र. 1 वार्ड क्र. 2 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रीवा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जावेगा।

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सूवधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें

- अस्पताल मे रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय मे ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ

- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- गहन चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य क्रियोत्तर कक्ष

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17,** दूरभाष : 09424315633,7389444833